www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 173 || लखनऊ
गुरुवार
24 सितम्बर 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:5
सूर्यास्त: 06:00
अधिकतम: 29°00
न्यूनतम: 23°00

» पेज 07

विशेष समाचार | नकल रोकने वाला शिक्षक... » पेज 04 | आईएएस अनुनय झा ने संभाला ... » पेज 06 | सलमान के बयान पर विवेक ...

बरियावन की काली रात ने हिला दीं पुलिस की कुर्सियां

बुधवार को सीओ सिटी नीतीश कुमार तिवारी हटे, मंगलवार को इंस्पेक्टर समेत पांच पर गिरी थी गाज

जेसीबीकांड

■ संतोष सिंह की जगह भूपेंद्र सिंह को मिली अकबरपुर कोतवाली की कमान

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अकबरपुर के बरियावन की उस रात की गुत्थी अभी सुलझी नहीं है, लेकिन कार्रवाई की परतें लगातार खुल रही हैं।तीन जेसीबी की कहानी अब पुलिस के बड़े अधिकारियों तक पहुंच गई है। बुधवार को सीओ सिटी नीतीश कुमार तिवारी को पुलिस कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया। उनकी जगह आलापुर के सीओ अरुण कुमार नौहवार को सिटी सर्किल की जिम्मेदारी दी गई है। यातायात की जिम्मेदारी संभाल रहे जितेंद्र कुमार सिंह को सीओ आलापुर बनाया गया है। » (शेष पेज 06 पर)

पहले पांच नपे अब सीओ भी हटे

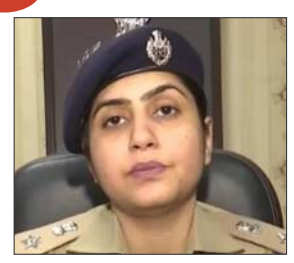

संतोष सिंह गए, भूपेंद्र सिंह ने संभाली कोतवाली

अकबरपुर के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के निलंबन के बाद भूपेंद्र सिंह को शहर का कोतवाल बनाया गया है। अब बरियावन प्रकरण की जांच के बीच अकबरपुर कोतवाली की कमान नए प्रभारी निरीक्षक के हाथ में है। एक तरफ कोतवाली में नेतृत्व बदल गया, दूसरी तरफ सिटी सर्किल की जिम्मेदारी भी बदल गई। यानी बरियावन कांड के बाद पुलिस की पूरी जिम्मेदारी व्यवस्था में फेरबदल देखने को मिला है।

"मंगलवार तक कहानी कुछ और थी। उस दिन कार्रवाई की सूची में इंस्पेक्टर से लेकर सिपाही और लेखपाल तक थे, लेकिन सीओ सिटी का नाम नहीं था। इसी ने बरियावन से लेकर अकबरपुर तक कई सवालों को जन्म दे दिया था।"

रात में जेसीबी चलीं, सुबह पुलिस को पता चला

बरियावन-किछौछा मार्ग पर 20 सितंबर की रात तीन जेसीबी पहुंचीं। करीब एक घंटे तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चलने की बात सामने आई। 11 मकान और दुकानें गिरा दी गईं। पुलिस को इसकी सूचना अगले दिन सुबह मिली। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पीछे की जमीन तक रास्ता बनाने के लिए आगे बनी दुकानों को हटाया गया। जमीन मालिकों की भूमिका की भी जांच शुरू की गई। मामले में पुलिस ने तीन जेसीबी जब्त कीं और दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। यानी कार्रवाई सिर्फ मौके पर मौजूद लोगों तक सीमित नहीं रही, बल्कि जेसीबी तक पहुंच गई।

आला अधिकारियों पर जिम्मेदारी कौन तय करेगा?

राज्य मुख्यालय से

लखनऊ / अंबेडकर नगर। एक तरफ जहां एक संत, एक योगी और उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर शातिर अपराधियों और भू-माफियाओं पर चल रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ अंबेडकर नगर जनपद में पुलिस संरक्षण में बेखौफ बदमाशों ने बाबा के बुलडोजर पर कब्जा कर उसे बरियावन बाजार में चलाकर अपने पुलिसिया गठजोड़ का खुलेआम प्रदर्शन किया। हालांकि, शहर कोतवाल से लेकर लेखपाल तक को निलंबित कर दिया गया, किंतु जिले के आला अधिकारियों—जिलाधिकारी और जिले की कप्तान—पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मजे की बात तो यह है कि कप्तान प्राची सिंह ने कागजी खानापूर्ति करते हुए क्षेत्राधिकारी नीतीश कुमार, सीओ को सर्किल से हटाकर उन्हें पुलिस कार्यालय से संबद्ध कर दिया। इससे एक तरह से उन्हें क्लीन चिट दे दी गई या यह साबित करने का प्रयास किया गया कि इस घटना की जिम्मेदारी किसी आईएएस, आईपीएस, पीसीएस या पीपीएस अधिकारी की नहीं है। » (शेष पेज 06 पर)

■ सवाल यही है कि आखिर आला अधिकारियों की जिम्मेदारी कब तय होगी?

बरामद हो गई जेसीबी मशीन ?

बरियावन कांड में प्रयुक्त चर्चित तीन जेसीबी मशीनों और काली गाड़ी को लेकर कई सवाल खड़े हुए थे। हालांकि अब पुलिस ने घटना में प्रयुक्त जेसीबी मशीनों को बरामद कर लिया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बरियावन बाजार में दुकानों को गिराने के लिए इन जेसीबी मशीनों को मौके तक कौन लेकर आया था और इनके संचालन के पीछे किसकी भूमिका थी? मामले में पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली अकबरपुर में संबंधित धाराओं में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस के अनुसार प्रकाश में आया कि दुकानों के पीछे स्थित भूमि के स्वामियों ने ही घटना को अंजाम दिलाया।

एसआईआर पर चुनाव आयुक्तों की असहमति के दावे से सियासी हंगामा

विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार का इस्तीफ़ा मांगा

खारिज

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर चुनाव आयुक्तों में मतभेद से जुड़ी रिपोर्ट को खारिज कर दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि पिछले एक साल में लिए गए सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए हैं। इस मामले में राहुल गांधी ने वीडियो जारी कर वोट चोरी को संविधान के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि समय आने पर किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। आयोग के फैसलों पर 28 अक्टूबर 2025 से 14 अगस्त 2026 के बीच 14 बार लिखित आपत्ति जताई गईं। इनमें 16 अप्रैल को चार आपत्तियां दर्ज की गईं। इन आपत्तियों की प्रतियां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी भेजी गईं।
» (शेष पेज 06 पर)

आयोग ने कहा कि किसी भी संस्थान में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय और टिप्पणियां आना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। इसका उद्देश्य पारदर्शिता बनाए रखना और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करना है।

दोनों चुनाव आयुक्तों ने आपत्तियां ज्ञानेश कुमार को भी भेजीं

चुनाव आयुक्तों में मतभेद का विवाद द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद शुरू हुआ। यह रिपोर्ट 23 सितंबर को पब्लिश की गई। इसके मुताबिक, चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कहा कि कई फैसले उनकी जानकारी या मंजूरी के बिना लिए गए।

यूपी में सरकारी 'भारत टैक्सी' लॉन्च

योगी ने सवारी की, डिप्टी सीएम बोले- नौकरी के चक्कर में न पड़ो, 4 घंटे कैब चलाओ

टैक्सीसेवा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने बुधवार को लखनऊ में सरकारी कैब 'भारत टैक्सी' लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने कहा- सहकारिता मंत्रालय के गठन के परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। जिन लोगों के बारे में कोई सोचता नहीं था जैसे- टैक्सी ड्राइवर, अब वे रजिस्ट्रेशन के साथ जीरो कमीशन पर भारत टैक्सी का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा- अब तक टैक्सी ड्राइवर को कोई सुरक्षा नहीं दी जाती थी। उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया जाता था। आज जब ड्राइवर कार पर भारत टैक्सी लिखवाएगा तो उसे गर्व होगा कि यह पूरे भारत की टैक्सी है। उसके मन में निश्चिंतता होगी कि 5 लाख की सामाजिक सुरक्षा गारंटी भी मिल रही है। भारत टैक्सी से पैसेंजर्स और ड्राइवर्स दोनों को फायदा होगा। इसके जरिए ऑटो-रिक्शा, कार और बाइक की सर्विस भी उपलब्ध होगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इस दौरान कहा- चिंता मत करो, भारत टैक्सी को अपनाओ। भारत टैक्सी यानी अपना पैसा, अपनी मोटर और अपना ड्राइवर। उन्होंने प्राइवेट कंपनियों की कैब चलाने को लेकर कहा- नौकरी और विदेशी कंपनियों के चक्कर में न पड़ो, 4 घंटे अपनी टैक्सी चलाओ। सीएम ने 'कृषक समृद्धि योजना' का पोर्टल और उर्वरक-बीज के लिए 'सेतु ऐप' भी लॉन्च किया। किसानों को लोन का चेक और ड्राइवरों को टैक्सी का प्रमाण पत्र सौंपा। भारत टैक्सी को हरी झंडी दिखाने के बाद सीएम ने कैब में सवारी भी की। पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह के नेतृत्व में सहकारिता देश की समृद्धि का प्रतीक बन रहा है।
» (शेष पेज 06 पर)

चोरी हुई तो अगले चौराहे पर इलाज करने का इंतजाम है

योगी ने कहा- अब कर्फ्यू नहीं लगता, दंगा नहीं होता, अब चोरी नहीं होती, क्योंकि 14 लाख CCTV कैमरे लगाए हैं। कहीं चोरी हुई तो अगले चौराहे पर चोरी का इलाज करने का इंतजाम है। किसान पहले पलायन करता था, हताश और निराश था। बिचौलिए हावी थे। हमने 2017 में सबसे पहले अन्नदाता किसानों के 36 हजार करोड़ रुपए के ऋण माफ किए। सरयू नगर परियोजना को पूरा करने में 50 साल लग गए, क्योंकि अन्नदाता किसान उनके एजेंडे में नहीं था। अर्जुन सहायक परियोजना, बाण सागर, मध्य गंगा परियोजना की भी यही स्थिति थी। डबल इंजन की सरकार ने 24 लाख अतिरिक्त भूमि को सिंचाई की सुविधा दी। इससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिली है। पहले किसानों के खेत में लगी मोटर चोरी हो जाती थी। आज हमने सिंचाई की सुविधा फ्री की है। मुफ्त बिजली दे रहे हैं।

पहले भैंसागाड़ी से भैंसा चोरी हो जाता था

योगी ने कहा- 2017 से पहले यूपी में टू-व्हीलर, थ्री-व्हीलर छोड़िए, अगर भैंसागाड़ी से जाने वाला व्यक्ति कहीं चाय पीने रुकता था तो उसका भैंसा गायब हो जाता था। टैक्सी के टायर गायब हो जाते थे। पहले सड़क गड्ढे में है या गड्ढा सड़क में, पता नहीं चलता था। महीनों कर्फ्यू रहता था, दंगे होते थे। सत्ताधारी दल के गुंडे जिस टैक्सी में बैठते थे, उसके ड्राइवर को मारकर गाड़ी चुरा लेते थे। हमारे सहकारिता बैंकों से किसानों को 11 फीसदी ब्याज पर लोन दिया जाता था। अब हमने ब्याज दर को कम करके 6 फीसदी कर दिया। 10 लाख तक के लोन की सुविधा उपलब्ध कराई है। हम 5 लाख लघु और सीमांत किसानों को भी लोन की सुविधा देंगे। यानी अब डबल इंजन सरकार किसानों और गरीबों की ताकत बन गई है।

"केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर ने कहा- उत्तर प्रदेश में भारत टैक्सी और सीएम कृषक समृद्धि योजना का शुभांरभ हो रहा है। आज गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज में भी भारत टैक्सी लॉन्च हो रही है। जिसने कुछ साल में सहकारिता का स्वरूप बदल दिया है। चोरी हो जाती थी।"

फास्ट न्यूज

संजय भाटिया राजस्थान, बिप्लब देव एमपी के भाजपा प्रभारी

नई दिल्ली। भाजपा ने बुधवार को 36 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में पार्टी के नए प्रभारियों और 24 राज्यों में सह-प्रभारियों का ऐलान किया। संजय भाटिया को राजस्थान और बिप्लब कुमार देव को मध्य प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। राजस्थान में पहले डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल प्रभारी थे।

आईआईटी बॉम्बे सुसाइड केस : आरोपी प्रोफेसर को छुट्टी पर भेजा

मुंबई। IIT बॉम्बे ने छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में आरोपी प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला को छुट्टी पर भेज दिया है। उन पर साहिल को सुसाइड के लिए उकसाने और जातिगत भेदभाव का आरोप है। 21 सितंबर को दूल्ला को डीन ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स के पद से हटाया था। संस्थान ने जांच के लिए 10 सदस्यीय हाईलेवल कमेटी बनाई है। कमेटी मौत से पहले की परिस्थितियों और आरोपों की जांच करेगी। इसकी अध्यक्षता IIT पलक्कड़ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. रमेश वेंकटेश्वरन करेंगे।

अहमदाबाद में कॉलेज जा रही छात्रा को क्रेन ने कुचला

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में कॉलेज जा रही 19 साल की छात्रा को क्रेन ने कुचल दिया। उसे करीब 50 फीट तक घसीटते ले गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्रेन के ड्राइवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हादसा मंगलवार को हुआ था, जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया है। मृतक का नाम प्रेरणा नीनामा है।

पीएम मोदी की क्लास में कैबिनेट मिनिस्टर्स

आज काम का प्रेजेंटेशन, कल रिव्यू, फिर बनेगा रिपोर्ट कार्ड

शिविर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मोदी सरकार के मंत्रियों का आज से 2 दिन का चिंतन शिविर शुरू हो गया है। यह 24 सितंबर तक चलेगा। इसमें पीएम मोदी कैबिनेट मिनिस्टर्स की क्लास लेंगे। सरकार के एक मंत्री ने संवाददाता को बताया कि शिविर के पहले दिन हर मिनिस्टर अपने मंत्रालय के काम का प्रेजेंटेशन देगा। दूसरे दिन रिव्यू होगा। रिव्यू में ग्रेडिंग दी जाएगी। एक्सीलेंट, गुड, एवरेज, पुअर। एक्सीलेंट से लेकर गुड तक ग्रीन जोन में होंगे। एवरेज और उससे नीचे के मंत्री रेड जोन में आ जाएंगे।

मतलब उन्हें संकेत मिल जाएगा की कैबिनेट विस्तार में उनकी कुर्सी खतरे में है। ये रिपोर्ट कार्ड कैबिनेट विस्तार में फेरबदल का आधार बनेगा। इसकी थीम 'विकसित भारत 2047' है। 2021 में मोदी ने पूरी केंद्रीय मंत्रिपरिषद के साथ कुल 5 'चिंतन शिविर' किए थे। पहला 14 सितंबर को हुआ था।
» (शेष पेज 06 पर)

फैसला : एक ने कहा- 5 जजों की संविधान पीठ करे सुनवाई, दूसरे ने किया विरोध

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट जज एकमत नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) और दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बंटा हुआ फैसला दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच को यह तय करना था कि केस बड़ी (पांच जजों की) बेंच को भेजा जाए या नहीं। 5 दिन तक मामले की सुनवाई के बाद जस्टिस दीपांकर दत्ता ने केस 5 जजों की बड़ी संविधान बेंच को भेजने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। वहीं जस्टिस शर्मा ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हालांकि दोनों जजों ने मामला CJI सूर्यकांत के पास भेजने पर सहमति जताई है।
» (शेष पेज 06 पर)

जस्टिस दत्ता बोले- आयोग स्वतंत्र हो, लोगों को स्वतंत्र दिखे भी

जस्टिस दत्ता ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव आयोग का स्वतंत्र होना जरूरी है। सिर्फ आयोग का स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि लोगों को वह स्वतंत्र नजर भी आना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2023 का कानून CJI को चयन समिति से बाहर रखने की सीधी चुनौती से शायद बच जाए।

मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने सीजेआई वाली कमेटी की व्यवस्था दी थी

2 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान बेंच ने कहा था कि CEC और EC की नियुक्ति राष्ट्रपति करेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और CJI की कमेटी की सलाह ली जाएगी। कोर्ट ने यह व्यवस्था तब तक लागू रहने की बात कही थी, जब तक संसद इस बारे में कानून नहीं बना देती। इसके बाद दिसंबर 2023 में संसद ने नया कानून बनाया। 29 दिसंबर 2023 को राष्ट्रपति ने इसे मंजूरी दी। नए कानून में CJI की जगह प्रधानमंत्री की ओर से नामित केंद्रीय मंत्री को चयन समिति में शामिल किया गया।

जस्टिस दत्ता ने कहा- पीएम के नामित व्यक्ति से अलग रुख की उम्मीद मुश्किल

जस्टिस दत्ता ने चयन समिति में प्रधानमंत्री की ओर से नामित केंद्रीय मंत्री की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस मंत्री को प्रधानमंत्री ने समिति में शामिल किया है, उससे अपने ही नामितकर्ता के खिलाफ जाने की उम्मीद करना मुश्किल है। उन्होंने मंत्रिपरिषद की सामूहिक जिम्मेदारी का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक ऐसी स्थिति में केंद्रीय मंत्री चयन समिति में उस स्वतंत्र संतुलन की भूमिका नहीं निभा पाएगा, जो किसी निष्पक्ष सदस्य से उम्मीद की जाती है।

8 यूडीपी विधायक भाजपा में शामिल

बीजेपी विधायक 2 से बढ़कर 10 हुए

सदस्यता

तमसा संकेत, एजेंसी

शिलाँग। मेघालय की यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (UDP) के 8 विधायक बुधवार को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी हेडक्वार्टर में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। राज्य में पहले भाजपा के 2 विधायक थे। UDP के 8 विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी के विधायकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। इसके साथ ही भाजपा विधानसभा में नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP) के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। राज्य में मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (MDA) की सरकार है। इसमें NPP, UDP और भाजपा तीनों पार्टियां शामिल हैं। वहीं, UDP के विधायकों की संख्या 12 से घटकर 4 रह गई है।
» (शेष पेज 06 पर)

स्थायी शांति के लिए भारत भूमि की ओर देखती है विश्व मानवता: मुख्यमंत्री

सोशल मीडिया ने प्रस्तुत किया अर्धसत्य का नया तथ्य : योगी

चुनौती

- मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में जब आचरण और विचार के बीच साम्यता प्रभावकारी होती है। व्यक्ति जब मनसा, वाचा, कर्मणा से एक दिशा में चलता है तो उसे सफलता प्राप्त होती है।

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामान्य जीवन में व्यक्ति यह तय नहीं कर पाता है कि सत्य क्या है और असत्य क्या है। आज के समय में सोशल मीडिया प्लेटफार्म ने सत्य और असत्य के बीच एक नया तथ्य प्रस्तुत कर दिया है, अर्धसत्य का, जो कभी सत्य नहीं होता। ऐसी स्थितियों में पूरी दुनिया की मानवता अवसाद की शिकार है, उसके सामने चुनौती है। सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 57वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि समारोह के उपलक्ष्य में बुधवार अपराह्न श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में व्यासपीठ का पूजन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज विज्ञान भले ही कितना ही आगे बढ़ चुका हो, लेकिन जीवन में स्थायी शांति के लिए विश्व की मानवता केवल भारत भूमि को ही देखती है। भारत भूमि पर पावन कथाओं की परंपरा कठिन चुनौतियों में व्यक्ति का मार्ग सुगम बनाने के लिए मार्गदर्शन करती है। पवित्र कथाओं के वाचन और श्रवण की परंपरा, हजारों वर्षों की विरासत को समझने का भी अवसर होती है।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच निकली श्रीमद्भागवत महापुराण की शोभायात्रा

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ से पूर्व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में मुख्य मंदिर से कथा स्थल (दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार) तक शंख ध्वनि की गूंज तथा वेदपाठी विद्यार्थियों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महापुराण की शोभायात्रा निकाली गई।

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति के उपलक्ष्य में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

भक्ति, ज्ञान और निष्काम कर्म की प्रेरणा देती है श्रीमद्भागवत कथा

कथा व्यास मलूकपीठाधीश्वर श्री राजेंद्रदास जी महाराज का गोरक्षपीठ में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण के वाचन और श्रवण की परंपरा 5000 वर्ष पुरानी है। भारत का श्रद्धालु इस कथा के माध्यम से ज्ञान, भक्ति व निष्काम कर्म की प्रेरणा प्राप्त करता है। जीवन के उद्देश्य व रहस्यों को समझने के लिए यह कथा अत्यंत महत्वपूर्ण है। 5000 वर्ष पहले शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को इस कथा का श्रवण कराया, तबसे एक लंबा कालखंड बीत गया। सनातन संस्कृति ने सम-विषम परिस्थितियों सहित तमाम चुनौतियों का सामना किया। उत्थान-पतन की कहानियों के बीच भी यह कथा हम सबकी स्मृतियों में बची रही। यह कथा जीवन की वास्तविकता का एहसास करते हुए अज्ञानता से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

मुख्यमंत्री के संबोधन के उपरांत व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास, वृंदावन से पधारे मलूकपीठाधीश्वर श्रीमदजगद्गुरु द्वाराचार्य अग्रपीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया। कथा प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से शाम 6 बजे तक सुनाई जाएगी। इसका विराम 29 सितंबर को होगा।

ट्रेड शो में प्रवाहित होगी संगम नगरी के हस्तशिल्प

प्रयागराज के 10 उद्यमी लगाएंगे 12 स्टाल

तमसा संकेत, संवाददाता

- वैश्विक मंच पर पहचान बनाएगा प्रयागराज का मूंज हस्तशिल्प, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के इको फ्रेंडली उत्पादों का हुनर देखेगी दुनिया

प्रयागराज । ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' (यूपीआईटीएस) 2026 में संगम नगरी प्रयागराज के उद्यमी अपनी व्यापारिक क्षमता और हुनर की धमक दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रदेश सरकार की इस पहल से प्रयागराज के स्थानीय उद्यमियों, हस्तशिल्पियों और नवाचारियों को एक बड़ा ग्लोबल मंच उपलब्ध हो रहा है। इस वृहद आयोजन में प्रयागराज जनपद की भागीदारी हर साल बढ़ रही है। इस वर्ष जिले के 10 उद्यमी यूपीआईटीएस में हिस्सा लेंगे, जिनके लिए आवंटित स्टाल में जिले के उत्पादों का डंका बजेगा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में प्रयागराज के विभिन्न वर्गों के उद्यमियों को अवसर दिया गया है। उपायुक्त उद्योग शरद टंडन बताते हैं कि प्रयागराज से विभिन्न श्रेणियों मे इस बार दस प्रतिभागियों को अवसर दिया गया है। मेले में ओडीओपी (एक जनपद एक उत्पाद) श्रेणी के तहत 3 इकाइयों के स्टाल लगेंगे। इसके अलावा एमएसएमई मे 5 इकाइयां और 'नवोदित निर्यातक' श्रेणी में एक और ओडीओसी के लिए एक इकाई का चयन किया गया है, जिन्हें कुल 12 स्टाल दिए गए हैं। चयनित इकाइयों मे संगम नगरी के परंपरागत हस्तशिल्प, यहां के खानपान और परिधानों का मेल देखने को मिलेगा ।

फास्ट न्यूज

बैंक से आ रहे वॉट्सएप मैसेज से सावधान

लखनऊ । लखनऊ में साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। अब वॉट्सएप के जरिए बैंकिंग ट्रांजैक्शन के नाम पर फर्जी मैसेज भेजकर लोगों को डराने की कोशिश की जा रही है। लखनऊ क्राइम ब्रांच ने ऑपरेशन डिजिटल कवच के तहत इस नए तरीके को लेकर लोगों को जागरूक किया है।

शादी के 15 साल बाद मां बनी 38 की महिला

लखनऊ। KGMU के क्वीन मैरी हॉस्पिटल ने पोस्ट कोविड पहला IVF डिलीवरी कराने में सफलता हासिल की है। शादी के बाद 15 साल से बच्चे का इंतजार कर रही महिला ने 38 की उम्र में 20 सितंबर को बेटी को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। बहुत जल्द उनको अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। KGMU के इस IVF में करीब 80 हजार रुपए का खर्च आया है। इसी के लिए कॉरपोरेट हॉस्पिटल में डेढ़ लाख से तीन लाख या इससे भी ज्यादा का खर्च आता है। सफल IVF करने वाली प्रो. पुष्पलता शंखवार ने बताया कि अयोध्या निवासी दंपती करीब एक साल पहले KGMU में फर्टिलिटी का इलाज कराने पहुंचा।

रनिंग ट्रैक पर तड़पता रहा होमगार्ड अभ्यर्थी

लखनऊ। लखनऊ के महानगर स्थित पीएसी ग्राउंड में होमगार्ड भर्ती की दौड़ के दौरान योगेंद्र सिंह (25) की मौत के मामले में नया सीसीटीवी सामने आया है। फुटेज में योगेंद्र मुंह की ओर इशारा करते हुए जमीन पर गिरकर तड़पता दिख रहा है। उसके साथी उसे छोड़कर दूर चले जाते हैं। करीब एक मिनट तक योगेंद्र जमीन पर तड़पता रहा।

योगी सरकार में उद्योगों की जरूरत के अनुरूप बदलेंगे यूपी के आईटीआई

उद्योगों की मांग के अनुसार तैयार होंगे पाठ्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

- योगी सरकार में उद्योगों की जरूरत के अनुरूप बदलेंगे यूपी के आईटीआई, आठ शहरों के क्लस्टर में लागू होगा पीएम-सेतु मॉडल
- कानपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा के राजकीय आईटीआई क्लस्टर में उद्योग भागीदारी की प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं के कौशल विकास को उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ने की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ा रही है। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) योजना के तहत प्रदेश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उद्योग-आधारित कौशल विकास केंद्रों के रूप में विकसित करने की तैयारी है। इसके पहले चरण में प्रदेश के आठ शहरों- कानपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा के राजकीय आईटीआई क्लस्टरों में उद्योगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। योजना का उद्देश्य आईटीआई में दिए जाने वाले प्रशिक्षण और उद्योगों की मौजूदा व भविष्य की कौशल जरूरतों के बीच की दूरी को कम करना है। इसके लिए उद्योगों को केवल रोजगार देने वाली इकाई के बजाय प्रशिक्षण व्यवस्था के सक्रिय भागीदार के रूप में जोड़ा जाएगा। उद्योग पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण मानकों को अपडेट करने, आधुनिक तकनीक और उपकरणों को शामिल करने, प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने तथा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण तक में भूमिका निभाएंगे। इससे युवाओं को ऐसा कौशल उपलब्ध कराने पर जोर होगा, जिसकी सीधे उद्योगों में मांग है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पीएम-सेतु के क्रियान्वयन के लिए योगी सरकार ने कानपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा के राजकीय आईटीआई क्लस्टरों को उद्योगों से जोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

व्यापार के साथ ही कला-संस्कृति का भी संगम बनने जा रहा यूपीआईटीएस

सांस्कृतिक रंगों से सराबोर होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026

तमसा संकेत, संवाददाता

- स्थानीय कलाकारों को मिलेगा प्रोत्साहन, प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान भी होगी मजबूत
- रंगारंग प्रस्तुतियों से सराबोर होगी मेगा आयोजन की हर शाम, लोकपरंपराएं भी होंगी प्रदर्शित
- बालीवुड सिंगर मोनाली ठाकुर के गीतों से लेकर पद्मश्री पं. शिवनाथ मिश्र के सितार वादन का भी लुत्फ उठाएंगे श्रोता
- आईटीएस को यादगार बनाएंगी देश और प्रदेश की नामचीन हस्तियां

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच देने के लिए इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 व्यापार व कला-संस्कृति का संगम बनने जा रहा है। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक होने वाले इस मेगा आयोजन की हर शाम रंगारंग प्रस्तुतियों से सराबोर होगी। इसमें लोक परंपराओं से लेकर सुगम संगीत तक का संगम दिखेगा। शो में देश और प्रदेश के दिग्गज कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। पांच दिवसीय सांस्कृतिक समारोह का शुभारंभ शंख वादन व स्वस्ति वाचन से होगा। यहां वॉलीवुड सिंगर मोनाली ठाकुर, लोकगीत गायिका मालविका हरिओम, पद्मश्री पं. शिवनाथ मिश्र का सितार वादन, भजन गायक ओमप्रकाश दुबे, दिग्गज कोरियोग्राफर- श्रीराम सांखला कलर्स ऑफ इंडिया के रंग बिखेरेंगे। बंदा बैरागी बैंड, सर्वत्र बैंड की प्रस्तुतियां भी आयोजन को यादगार बनाएंगी। योगी सरकार ने इंटरनेशनल ट्रेड शो को ऐसा मंच बनाने का प्रयास किया है, जहां उद्यमिता और निवेश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की समृद्ध कला और संस्कृति का भी प्रचार-प्रसार हो। यहां लोकधरोहरों की झलक दुनिया के सामने प्रस्तुत होगी, जिससे न सिर्फ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान भी मजबूत होगी।

सांस्कृतिक महाकुंभ का भी मिलेगा संदेश

योगी सरकार ने इंटरनेशनल ट्रेड शो को सिर्फ व्यापारिक आदान-प्रदान का मंच ही नहीं, बल्कि समृद्ध लोककलाओं और सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत करने का भी अवसर बनाया है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा। पांच दिनों का यह कार्यक्रम राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि का जीवंत दस्तावेज होगा।

लघु एवं सीमांत किसानों को मिलेगा योजना का लाभ, काकोरी में हुआ सजीव प्रसारण

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना और भारत टैक्सी का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

कार्यक्रम में वक्ताओं ने सहकारिता के माध्यम से किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना को लघु एवं सीमांत किसानों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया गया। वहीं, भारत टैक्सी के शुभारंभ को सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी नई पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड (एलडीबी) की ओर से लघु एवं सीमांत कृषकों के लिए संचालित मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना तथा सहकारिता विभाग की भारत टैक्सी योजना का शुभारंभ बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री आवास से किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10:30 बजे किया गया।

जनपद लखनऊ में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकासखंड काकोरी स्थित सभागार में कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक जिला सहकारी बैंक लिमिटेड लखनऊ के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह तथा सहसंयोजक सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता लखनऊ सुश्री वैशाली सिंह रहीं। सजीव प्रसारण कार्यक्रम में सहकारिता विभाग से जुड़े अधिकारियों, बी-पैक्स सचिवों और किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान सहकारी समितियों के सचिवों और किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया। सम्मानित होने वालों में कृषक डोरी लाल, सदस्य नंदकिशोर, बी-पैक्स पहिया आजमपुर के सचिव राजेश कुमार, बी-पैक्स अनौरा कला के सचिव सुनील कुमार, बी-पैक्स गुडंबा के सचिव अंकुर पाल और बी-पैक्स लालगंज से जुड़े प्रतिनिधि शामिल रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार रावत रहे। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिला अध्यक्ष विजय मौर्य, ब्लॉक प्रमुख नीतू यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव सिंह और जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर बिंदादीन शामिल रहे।

वाराणसी में पकड़ी गई 4.25 करोड़ की जीएसटी चोरी

लखनऊ। लखनऊ के KGMU में कार्यपरिषद की विशेष बैठक को लेकर कुलपति और कुलसचिव आमने-सामने आ गए हैं। 23 सितंबर को हो रही इस बैठक की प्रक्रिया पर कुलसचिव अर्चना गहरवार ने सवाल उठाते हुए इसे स्थगित करने की मांग की थी। इसके जवाब में कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने उन्हें पत्र भेजकर बैठक में शामिल होने और अपना पक्ष रखने को कहा है।

कुलसचिव ने 22 सितंबर को कुलपति को भेजे पत्र में कहा था कि कार्यपरिषद के सदस्य सचिव के तौर पर उनकी वैधानिक भूमिका सुनिश्चित किए बिना बैठक की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने KGMU अधिनियम-2002 और पहली परिनियमावली-2011 का हवाला देते हुए बैठक स्थगित कर नई तारीख तय करने की मांग की थी। वहीं, कुलपति ने कुलसचिव को बैठक में शामिल होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं।

योगी सरकार बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने में जुटी

एसएलडीसी के आधुनिकीकरण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में सुचारु, सुरक्षित और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने पर लगातार जोर दे रही है। इसी क्रम में प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं यूपी पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष रणवीर प्रसाद ने लखनऊ स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र के आवश्यक आधुनिकीकरण को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रणवीर प्रसाद ने एसएलडीसी की कार्य प्रणाली, रियल टाइम ग्रिड मॉनिटरिंग, स्काडा सिस्टम और लोड प्रबंधन की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सम्पूर्ण विद्युत व्यवस्था में एसएलडीसी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एसए-लडीसी ही वह केंद्र है, जो प्रदेश के विद्युत भार (लोड) का रियल टाइम आंकलन एवं पूर्वानुमान करता है। उत्पादन केंद्रों से प्राप्त बिजली एवं वितरण निगमों की मांग के बीच संतुलन बनाता है। ग्रिड की फ्रीक्वेंसी को स्थिर रखता है तथा लाइनों को ओवरलोड होने से बचाता है। प्रमुख सचिव ने कहा कि ट्रिपिंग, ब्रेकडाउन की स्थिति में त्वरित रिस्टोरेशन एवं वैकल्पिक स्रोत से आपूर्ति सुनिश्चित करता है। नवीकरणीय ऊर्जा (सोलर/विंड) के एकीकरण एवं ए.बी.टी. मीटरिंग का प्रबंधन करता है। साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाला एक महीना गर्मी एवं अधिक मांग के दृष्टिकोण से चुनौतीपूर्ण है, इसलिए पूरी सावधानी के साथ लोड डिस्पैच किया जाए।

सर्च : लखनऊ में गणेश प्रतिमा विसर्जन करने गए थे, 2 की पत्नियां गर्भवती

सई नदी में डूबे तीनों व्यक्तियों के शव बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

तीन किलोमीटर के दायरे में चला सर्च,तीसरा शव भी मिला

बीते मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे हुए हादसे के बाद SDRF की दो टीमों ने पूरी रात सई नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया। बुधवार सुबह धीरज और हरिप्रसाद के शव मिलने के बाद तीसरे युवक प्रमोद की तलाश तेज की गई। करीब तीन किलोमीटर के दायरे में सर्च के दौरान सुबह करीब 11:45 बजे SDRF टीम ने प्रमोद का शव भी बरामद कर लिया।

घटना के करीब 6 घंटे बाद रात 11 बजे तक भी तीनों लोगों का पता नहीं चला। लापता धीरज की पत्नी अनिता का आरोप है कि काफी समय बीतने के बावजूद नदी में जाल नहीं लगवाया गया। अभी एक नाव के जरिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तलाश में तेजी नहीं दिखाई दे रही।

एसडीआरएफ ने दो के शव बरामद कर लिए है।

लखनऊ। लखनऊ के मोहनलालगंज में मंगलवार शाम गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान सई नदी में डूबे तीनों व्यक्तियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बुधवार को एसडीआरएफ ने धीरज (35), हरिप्रसाद (40) और प्रमोद (22) के शव नदी से निकाल लिए। तीनों शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे गए। प्रमोद की तलाश में करीब तीन किलोमीटर के दायरे में सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

घटना मोहनलालगंज के जबरैला पुल के पास की है। यहां 5 किमी दूर से सिसेंडी गांव के लोग शाम 5 बजे गणेश प्रतिमा विसर्जन करने पहुंचे थे। तभी धीरज (35) नाम का युवक सई नदी में गहराई में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए 40 साल के हरिप्रसाद भी नदी में उतर गए। फिर वह भी पानी में डूबने लगे। इसी दौरान प्रमोद (22) भी नदी में चला गया। इसके बाद तीनों का कोई पता नहीं चला।

हादसे की सूचना पर पुलिस और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे थे। बाद में एसडीआरएफ की टीम नाव और बचाव उपकरणों के साथ पहुंची। अंधेरा होने के बावजूद रात में भी सर्च ऑपरेशन जारी रखा गया। बुधवार को धीरज और हरिप्रसाद के बाद प्रमोद का शव भी बरामद कर लिया गया।

लखनऊ से गुजरने वाली सई नदी में मंगलवार शाम 3 लोग लापता हो गए। वे लोग नदी में गणेश प्रतिमा विसर्जन करने गए थे। पता चलते ही घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस के साथ SDRF भी मौके पर पहुंची। नदी में लापता हुए तीनों लोगों की तलाश की जा रही है।

यूपीआईटीएस में काशी के हुनर को मिलेगा ग्लोबल बाजार

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखेगी बनारसी विरासत

तमसा संकेत, संवाददाता

- 45 उद्यमी लेकर पहुंचेंगे बनारसी सिल्क, लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी समेत काशी के पारंपरिक और आधुनिक उत्पाद
- 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा संस्करण

वाराणसी। काशी अपनी प्राचीन विरासत, समृद्ध धरोहर, पारंपरिक हस्तशिल्प और आधुनिक बाजार की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए जा रहे उत्पादों को ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदर्शित करने के लिए तैयार है। 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में काशी के खानपान से लेकर पहनावे तक, घर की सजावट और पारंपरिक परिधान से लेकर दैनिक उपयोग के उत्पादों तक की विविधता देखने को मिलेगी। बनारसी सिल्क साड़ी, लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी, सॉफ्ट स्टोन जाली वर्क, हैंडमेड बनारसी सिल्क के विभिन्न उत्पाद और अन्य पारंपरिक उत्पादों के साथ आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप तैयार किए गए उत्पाद भी प्रदर्शित किए जाएंगे। आयोजन के जरिए स्थानीय उद्यमियों और हस्तशिल्पियों को वैश्विक बाज़ार से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

45 उद्यमियों ने कराया पंजीकरण

जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र के उपायुक्त अभिषेक प्रियदर्शी ने बताया कि वाराणसी से 45 उद्यमियों ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, सूक्ष्म, एमएसएमई, जीआई उत्पाद, नए और पुराने निर्यातक,एक जिला एक व्यंजन तथा मुख्यमंत्री युवा योजना से जुड़ी महिला उद्यमी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ट्रेड शो में लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी, बनारसी सिल्क साड़ी समेत काशी के विभिन्न पारंपरिक और आधुनिक उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा।

चारपाई पर बैठाकर थप्पड़-घूंसे मारे, केबल में कट लगाकर हीटर चलाते पकड़ा था

बिजनौर में बिजली चेकिंग के दौरान जेई को पीटा

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर। बिजनौर में बिजली चेकिंग करने गए जेई को लोगों ने जमकर पीटा। कपड़े फाड़ डाले। आरोपियों ने पहले कहासुनी की, फिर चारपाई पर बैठे जेई पर अचानक हमला कर दिया। लात-घूंसे और थप्पड़ बरसाए। आरोपी जेई को 15 मिनट तक पीटते रहे। इसके बाद जेई को बंधक बना लिया। एक घंटे बाद पुलिस पहुंची और जेई को छुड़ाकर थाने ले गई। घटना 18 सितंबर को जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर चांदपुर थाना क्षेत्र में हुई थी। लेकिन इसका वीडियो 22 सितंबर को सामने आया। जेई की शिकायत पर प्रधान के पति समेत 30 पर FIR हुई है। जेई सुदीप कुमार शर्मा ने चांदपुर थाने में तहरीर दी। पुलिस ने संजीव, उसके बेटे, प्रधान के पति नवनीत, सुधांशु, अंकित और मोहित समेत 30 लोगों पर केस दर्ज किया। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो और तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। घर के बाहर बनी दुकानों में भी इसी कट से बिजली का इस्तेमाल हो रहा था। टीम ने मौके की वीडियोग्राफी शुरू की तो विवाद हो गया। इसके बाद संजीव, ग्राम प्रधान के पति नवनीत और कुछ किसानों के साथ मिलकर जेई को पीटने लगा। जेई के साथी वीडियो बनाने लगे तो उनका मोबाइल छीन लिया और वीडियो डिलीट करा दिया।

वीडियो बनाने पर मोबाइल छीना

बागड़पुर गांव पावरहाउस है, जहां जेई सुदीप कुमार शर्मा तैनात हैं। 18 सितंबर को जेई विभागीय टीम के 10 कर्मचारियों के साथ गांव में बिजली चेकिंग करने पहुंचे। चेकिंग के दौरान किसान संजीव के घर के मीटर की इनकमिंग केबल में कट लगा मिला। जांच में पता चला कि इसी कट से बिजली चोरी कर हीटर चलाया जा रहा था।

दहेज और तीन तलाक की धमकी से सहमी मां

फरीदपुर। बरेली के फरीदपुर थाना क्षेत्र के बक्सरिया मोहल्ले में एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला इसराना खां ने पुलिस को शिकायत दी है कि उसके पति और ससुराल वाले 6 लाख रुपये दहेज मांग रहे हैं। मांग पूरी न होने पर उसे मारपीट और मानसिक-शारीरिक तौर पर परेशान किया जा रहा है। इसराना खांन का आरोप है कि उसका पति उसे तीन तलाक देने और दूसरी शादी करने की धमकी भी दे रहा है। इसराना खां फिलहाल फरीदपुर के बक्सरिया मोहल्ले में किराए के मकान में अपने बच्चों के साथ रह रही हैं। उन्होंने बताया कि साल 2023 में उनकी शादी इमरान खां से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल वालों ने मायके से 6 लाख रुपये लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। इसराना खां का आरोप है कि पैसे न देने पर उनके साथ मारपीट की जाती है और उन्हें परेशान किया जाता है।

महिला की अधजली लाश के बगल में बच्ची रोती मिली

गमछे में लिपटी थी डेढ़ साल की मासूम, बिजनौर में हत्या के बाद शव जलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर। यूपी के बिजनौर में खेत में महिला की अधजली लाश मिली है। शव के बगल में डेढ़ साल की मासूम गमछे में लिपटी रो रही थी। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, महिला की हत्या कहीं और की गई। इसके बाद शव को खेत में लाकर जलाया गया। वारदात का पता बुधवार सुबह 7 बजे चला। सुबह टहलने निकले ग्रामीण ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी। पास जाकर देखा तो महिला की लाश के बगल में बच्ची पड़ी थी। इसके बाद शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। महिलाओं ने बच्ची को गोद में उठा लिया। फिर फोन कर पुलिस को बुलाया। पुलिस ने बच्ची को अस्पताल पहुंचाया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। महिला की शिनाख्त अब तक नहीं हो पाई है। उसकी उम्र 20 से 25 साल बताई जा रही है। घटना नूरपुर थाना क्षेत्र के आलमपुर एडवा गांव की है। रामगंगा पोषक नहर से रोशनपुर गांव जाने वाले रास्ते पर गोहावर जैत गांव निवासी ध्यानपाल सिंह का खेत है। उन्होंने बताया- मैं रोज की तरह सुबह 7 बजे टहलते हुए अपने खेत पहुंचा। वहां मुझे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। पास जाकर देखा तो एक महिला की लाश पड़ी हुई थी। बगल में बच्ची थी। मैंने उसे गोद में उठा लिया। फिर रास्ते से गुजर रही महिलाओं को बुलाया। उन्हें बच्ची सौंपकर पुलिस को सूचना दी। महिलाओं ने बच्ची को दूध पिलाकर चुप कराया।

फास्ट न्यूज

उन्नाव की झील पर दो पक्षों में धक्का-मुक्की

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली इलाके की गगनी खेड़ा झील पर किसी बात को लेकर दो गुटों में कहासुनी हुई। इसके बाद उनमें धक्का-मुक्की और मारपीट हो गई। इस घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी ली और मौके पर पहुंचकर हालात को संभाला। जानकारी के अनुसार, गगनी खेड़ा झील पर किसी बात को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए।

सांप के काटने से किसान की मौत

उन्नाव। उन्नाव के रूरी सादिकपुर गांव में बुधवार सुबह खेत में धान की सिंचाई करने गए एक किसान की सांप के काटने से मौत हो गई। परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांगरमऊ ले गए। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे उन्नाव रेफर कर दिया। उन्नाव से कानपुर ले जाते समय रास्ते में किसान ने दम तोड़ दिया। इस घटना से परिवार में मातम छा गया। मृतक की पहचान 43 साल के राकेश कुमार के रूप में हुई है। वह रूरी सादिकपुर के रहने वाले थे और खेती-किसानी कर अपने परिवार का गुजारा करते थे।

हरदोई में फेविक्विक खरीदने पर विवाद

हरदोई। हरदोई जनपद में संडीला के मोहल्ला छोटा चौराहा पर फेविक्विक खरीदने को लेकर हुए विवाद का एक सनसनीखेज वायरल वीडियो सामने आया है। वीडिओ में दिख रहा है कि किराना व्यापारी गौरव गुप्ता उर्फ राजा की दुकान के अंदर घुसकर कुछ युवकों ने उन पर हमला बोल दिया। दावा है विवाद के दौरान व्यापारी को सिर में पत्थर भी लग गया। पीड़ित व्यापारी ने कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है।

पौधरोपण कार्यों का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग, 10 दिन में जवाब नहीं मिलने पर प्रदर्शन की चेतावनी

वन विभाग में कथित भ्रष्टाचार के आरोप, किसान यूनियन ने रेंजर को सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। फतेहपुर वन क्षेत्र के खेरिया स्थित वन विभाग कार्यालय में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन भानू के पदाधिकारियों ने विभाग में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर रेंजर मोहम्मद जहीर को ज्ञापन सौंपा।

संगठन ने वन विभाग की ओर से कराए गए पौधरोपण कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। किसान यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि विभाग द्वारा जिन स्थानों पर पौधरोपण कराया गया है, वहां किए गए कार्यों और खर्च की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए, ताकि किसानों और आम लोगों को पौधरोपण की वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके।

गाटा संख्या से लेकर खर्च तक मांगा ब्योरा

ज्ञापन में भारतीय किसान यूनियन भानू ने फतेहपुर वन विभाग के अंतर्गत कराए गए पौधरोपण कार्यों से जुड़ी विस्तृत जानकारी लिखित रूप में उपलब्ध कराने की मांग की है। संगठन ने कहा कि पौधरोपण के लिए चयनित सभी स्थानों की जानकारी दी जाए। इसके साथ ही प्रत्येक स्थान की गाटा संख्या, संबंधित गाटा में लगाए गए पेड़ों की संख्या, पौधरोपण पर खर्च हुई कुल धनराशि और कार्य से जुड़े अन्य विवरण भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। किसान यूनियन का कहना है कि इन जानकारियों को सामने लाने से पौधरोपण कार्यों में पारदर्शिता बनी रहेगी। साथ ही यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि विभाग की ओर से जिन स्थानों पर पौधरोपण कराया गया है, वहां कितने पेड़ लगाए गए और उन पर कितना खर्च हुआ।

दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद

ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय किसान यूनियन भानू के तहसील अध्यक्ष फतेहपुर दद्दन सिंह, युवा तहसील अध्यक्ष अजीत विश्वकर्मा, जिला सचिव बब्बू सिंह, तहसील सचिव अनुरुद्ध सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष फतेहपुर हंसराज वर्मा, करुणा वर्मा, अरविंद वर्मा, युवा ब्लॉक अध्यक्ष सोलर चौहान, सत्यवान चौहान, युवा तहसील उपाध्यक्ष उपेंद्र चौहान और मोहम्मद अनीस समेत दर्जनों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फिलहाल किसान यूनियन की ओर से लगाए गए आरोपों पर वन विभाग की ओर से कोई प्रतिक्रिया इस मामले में सामने नहीं आई है। विभाग का जवाब मिलने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

'लोकतंत्र में बदले की भावना का कोई स्थान नहीं होता'

रायबरेली में मंत्री मनोज पांडेय ने विपक्ष पर निशाना साधा

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने विपक्ष पर तीखा हमला किया है। रायबरेली स्थित अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में बदले की भावना और धमकियों का कोई स्थान नहीं होता। उन्होंने पहले की सरकारों के कार्यकाल, कानून-व्यवस्था और आतंकवाद पर भी बात की। मंत्री मनोज पाण्डेय ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग गांवों में घूमकर लोगों को डरा रहे हैं। वे कह रहे हैं कि 2027 के चुनाव आने दो, हम बदला लेंगे और घर खाली करा देंगे। उन्होंने साफ कहा कि लोकतंत्र में बदले की भावना की कोई जगह नहीं है। जनता सब जानती है और समय आने पर ऐसे गलत दृष्टांतों का जवाब देगी। उन्होंने देश के पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि एक समय था जब चांदनी चौक बम ब्लास्ट, अहमदाबाद-लखनऊ ट्रेन विस्फोट, कानपुर टिफिन बम ब्लास्ट और बस धमाके आम बात थे। देश आंतरिक आतंकवाद और नक्सलवाद से जूझ रहा था। उस समय कुछ लोग सिर्फ तमाशबीन बने हुए थे। मंत्री पाण्डेय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज आतंकवाद, कश्मीर के हालात, पंजाब और छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। सरकार ने इन्हें खत्म करने का काम किया है। उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि एक समय था जब मुजफ्फरनगर में दंगे हुए थे। उस समय अपराधियों के हौसले बुलंद थे। लेकिन आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित है। उन्होंने कहा कि जनता बहुत जागरूक और समझदार है।

फैक्ट्री के पास चलती स्कूटी में लगी आग

अगले हिस्से से अचानक उठने लगीं लपटें

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के अजगैन कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह नवाबगंज-गौरा कठेरवा मार्ग पर चलती स्कूटी में अचानक आग लग गई। घटना कोका-कोला फैक्ट्री के पास सुबह करीब 9 बजे हुई। स्कूटी एक महिला चला रही थी। राहगीरों ने स्कूटी से धुआं और आग की लपटें निकलती देखीं तो महिला को आवाज देकर इसकी जानकारी दी।

आग की जानकारी मिलते ही महिला ने तुरंत स्कूटी सड़क किनारे रोक दी और उससे दूर हट गई। कुछ ही देर में मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। चलती स्कूटी में अचानक आग लगने से कुछ समय के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

हालांकि महिला के समय रहते स्कूटी से दूर चले जाने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक महिला नवाबगंज-गौरा कठेरवा मार्ग से स्कूटी लेकर जा रही थी। सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने उसे आवाज देकर आग के बारे में बताया। आग की लपटें देखकर महिला घबरा गई और उसने तुरंत स्कूटी सड़क किनारे रोक दी। स्कूटी रोकने के बाद महिला तुरंत उससे दूर चली गई।

उन्नाव में सिलेंडर सप्लाई प्रभावित होने का दावा, सप्लाई पर हुआ असर

एचपी गैस प्लांट के 250-300 ट्रक चालक हड़ताल पर

तमसा संकेत, एजेंसी

- उन्नाव में हिंदुस्तान पेट्रोलियम प्लांट पर ट्रक चालकों का धरना, पार्किंग और बाहर निकलने की मांग।
- ट्रक चालकों का आरोप- गाड़ी लोड होने के बाद भी घंटों बाहर नहीं निकलने देते।
- गैस प्लांट में ट्रक चालकों का विरोध, बोले- 8 घंटे तक परिसर में रखते हैं।

उन्नाव। उन्नाव के दही चौकी औद्योगिक क्षेत्र में हिंदुस्तान पेट्रोलियम के बॉटलिंग प्लांट में ट्रक चालकों ने बुधवार को हड़ताल शुरू कर दी। चालकों का आरोप है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा और उन्हें परेशान किया जा रहा है। इस हड़ताल से गैस सिलेंडरों की सप्लाई पर असर पड़ा है। हालांकि, प्लांट के अधिकारियों ने हड़ताल से इनकार किया है। उनका कहना है कि कुछ चालक अफवाह फैलाकर माहौल खराब कर रहे हैं। दही चौकी स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम के बॉटलिंग प्लांट से लखनऊ, हरदोई, फतेहपुर, कानपुर और कानपुर देहात समेत 30 से ज्यादा जिलों की गैस एजेंसियों को घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की सप्लाई होती है। प्लांट से रोजाना करीब 40 हजार सिलेंडर ट्रकों से भेजे जाते हैं। ऐसे में चालकों के विरोध से सप्लाई व्यवस्था पर असर पड़ने की बात कही जा रही है। चालकों का आरोप है कि मंगलवार दोपहर लखनऊ की एक गैस एजेंसी के लिए एक के बाद एक नौ ट्रक भेजे गए। वहां पहुंचने पर पता चला कि एजेंसी में पहले से करीब एक हजार सिलेंडर मौजूद थे और खाली सिलेंडर भी नहीं थे। उन्नाव में हिंदुस्तान पेट्रोलियम प्लांट पर ट्रक चालकों का धरना, पार्किंग और बाहर निकलने की मांग।

उन्नाव में हिंदुस्तान पेट्रोलियम प्लांट पर ट्रक चालकों का धरना, पार्किंग और बाहर निकलने की मांग।

चालकों का कहना है कि ऐसी स्थिति में उन्हें बेवजह परेशानी का सामना करना पड़ता है। धरने में शामिल चालक सुहरलाल ने बताया कि उनका विरोध मंगलवार दोपहर से चल रहा है। चालकों का आरोप है कि प्लांट परिसर में गाड़ियां अंदर लेने के बाद उन्हें लंबे समय तक बाहर निकलने की इजाजत नहीं मिलती।

आयोजन : विधायक पंकज गुप्ता बोले- एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे, बंटेंगे तो कटेंगे

उन्नाव में कृषि गोष्ठी और सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के निराला प्रेक्षागृह सभागार में बुधवार दोपहर सेवा संकल्प अभियान के तहत कृषि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सूचना विभाग की ओर से केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। गोष्ठी का उद्घाटन सदर विधायक पंकज गुप्ता, जिलाधिकारी घनश्याम मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया। प्रदर्शनी में सरकार की अलग-अलग योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम के जरिए किसानों और आम लोगों को कृषि क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं और सरकारी प्रयासों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा संकल्प अभियान का हिस्सा है। उन्होंने अपने संबोधन में देश की एकता और सामूहिक शक्ति को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम के दौरान मंच से एक वक्ता ने एक जादूगर का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विषय आगे बढ़ाने से पहले जादूगर महोदय का दिल से स्वागत और अभिनंदन करना चाहिए। इसके बाद उन्होंने जादूगर के संदेश की तारीफ करते हुए एकता को जरूरी बताया।

सभी लोगों का एकजुट होकर आगे बढ़ना जरूरी

वक्ता ने कहा कि देश की मजबूती के लिए सभी लोगों का एकजुट होकर आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर में उन्होंने सभी मेहमानों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और मौजूद लोगों का आभार जताया। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, किसान और अन्य लोग मौजूद थे।

कृषि योजनाओं और तकनीकों पर हुई चर्चा

कृषि गोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी साझा की। किसानों को कृषि क्षेत्र में संचालित योजनाओं और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया गया। गोष्ठी का उद्देश्य किसानों तक कृषि से संबंधित जानकारी पहुंचाने और उन्हें योजनाओं से जोड़ने पर रहा। कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी में भी अलग-अलग सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और योजनाओं से संबंधित जानकारी हासिल की।

विधायक ने कार्यक्रम के दौरान अपने पुराने अनुभवों का जिक्र करते हुए कहा कि बचपन से उन्होंने अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं के जन्मदिन विभिन्न तरीकों से मनाते हुए देखा है। उन्होंने देश की एकता और सामूहिक शक्ति को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार की टक्कर से युवक की मौत

सोहरामऊ-पुरवा रोड पर हुआ हादसा, इलाज के दौरान तोड़ा दम

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र में सोमवार को हुए सड़क हादसे में घायल एक युवक की बुधवार सुबह मौत हो गई। युवक बाइक से सामान लेकर घर लौट रहा था। सोहरामऊ-पुरवा रोड के पास एक अज्ञात कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे में युवक बुरी तरह घायल हो गया था। परिवार के लोग उसे अस्पताल ले गए, जहां बुधवार सुबह उसकी जान चली गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक की पहचान धीरज (28) के रूप में हुई है। वह नन्हा लोध का बेटा था और बेगमखेड़ा, पोस्ट सैराहवा, थाना सोहरामऊ का रहने वाला था। परिवार के मुताबिक, धीरज एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। वह पांच भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

सोमवार को धीरज किसी काम से सोहरामऊ आया था। सामान लेने के बाद वह बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान सोहरामऊ-पुरवा रोड के पास उसकी बाइक को एक कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग गया। सड़क किनारे घायल पड़े धीरज की जानकारी मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। वे उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए। परिवार ने बताया कि बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

धीरज के पिता नन्हा ने बताया कि धीरज सोहरामऊ से सामान लेकर घर लौट रहा था। तभी किसी चार पहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दी। उन्हें यह नहीं पता कि हादसा किस गाड़ी से हुआ और उसका ड्राइवर कौन था। उन्होंने बताया कि खबर मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो धीरज सड़क किनारे अकेला पड़ा था। परिवार के लोगों का कहना है कि हादसे के बाद कार चालक मौके पर नहीं रुका और वहां से चला गया। परिवार ने पुलिस से मामले की जांच कर टक्कर मारने वाले वाहन और उसके ड्राइवर का पता लगाने की मांग की है। परिवार ने बताया कि धीरज मजदूरी करके परिवार का सहारा था। उसकी मौत से परिवार के सामने पैसों की दिक्कत खड़ी हो गई है। पिता ने सरकार से नियम के मुताबिक मिलने वाली मदद देने की मांग की है।

सम्पादकीय

फूहड़ और विषाक्त होती राजनीति

दौर में राहुल गांधी का छात्रों की गूंज कार्यक्रम इसलिए अधिक चर्चा में रहा, क्योंकि इसमें एक कामेडियन को बुलाकर उससे प्रधानमंत्री मोदी की मिमिक्री कराई गई। राहुल गांधी इस कामेडियन के सहयोगी के रूप में उत्साहित होकर उसका साथ देते नजर आए। नेताओं, अभिनेताओं और अन्य नामचीन लोगों की मिमिक्री कोई नई-अनोखी बात नहीं है, लेकिन यह अजीब ही कहा जाएगा कि राहुल गांधी ने छात्रों के मुद्दों को उजागर करने के लिए अपने मंच पर एक कामेडियन को बुलाकर प्रधानमंत्री की मिमिक्री कराना पसंद किया। इस मिमिक्री के जरिये प्रधानमंत्री की विदेश नीति की रीति-नीति का मजाक उड़ाया गया। इसी क्रम में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की ओर से एक बुजुंग महिला को कुर्सी देने के आग्रह का भी मजाक उडाया गया। यह निहायत भोंडा और जुगुप्सा पैदा करने वाला रहा। आखिर किसी बुर्जुग महिला को कुर्सी उपलब्ध कराने के सहज मानवीय व्यवहार का मजाक कैसे उड़ाया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस को इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगा।

आजकल कामेडी के नाम पर भोंडेपन की हद पार होने लगी है, लेकिन नेता-प्रतिपक्ष के मंच से ऐसा होना यह बताता है कि राजनीति किस तेजी के साथ स्तरहीन होती जा रही है। यह स्तरहीनता राजनीति को फूहड़ और विषाक्त ही बना रही है। इसमें सभी दलों का योगदान है, किसी का कम तो किसी का ज्यादा। राजनीतिक दल अब विरोधी दल को प्रतिस्पर्धी के स्थान पर शत्रु के रूप में देखने लगे हैं। उनके बीच का यह शत्रुभाव अब समाज में भी घर करने लगा है। राहुल गांधी के मंच से पहली बार प्रधानमंत्री और उनकी विदेश नीति का भद्दे तरीके से मजाक नहीं उड़ाया गया। कुछ समय पहले भी ऐसा ही हुआ था और तब इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी का अमर्यादित तरीके से उल्लेख किया गया था। यह उल्लेख कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने किया था और उनके ऐसा करने पर राहुल गांधी हंसते हुए दिखाई दिए थे।

कांग्रेस ने इस प्रसंग का भी बचाव किया था। यह किसी से छिपा नहीं कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री के खिलाफ किस तरह तू-तड़ाक वाली भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह उन्हें चोर, डरपोक आदि कह चुके हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे शब्दों का भी इस्तेमाल कर चुके हैं कि वह मुझसे आंख नहीं मिला सकता... डरता है। जब भाजपा राहुल गांधी के ऐसे कृत्यों और कथनों का विरोध करती है तो कांग्रेसजन उनका जोर-शोर से समर्थन करने के लिए आगे आ जाते हैं। इस पर कई बार भाजपा नेताओं की ओर से भी राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणियां की जाती हैं। इस तरह भारतीय राजनीति हर दिन पहले से अधिक स्तरहीन होती जा रही है और भाषा की मर्यादा की कोई परवाह नहीं कर रहा है।

आम तौर पर पहले चुनावों के दौरान ही राजनीतिक दलों के बीच एक-दूसरे के प्रति तीखी बयानबाजी होती थी और इस क्रम में कई बार अमर्यादित और अशालीन टिप्पणियां कर दी जाती थीं, लेकिन अब ऐसा सदैव होता रहता है और यहां तक कि संसद के भीतर भी। संसद के बाहर इसके कैसे दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं, इसका उदाहरण है बिहार में कांग्रेस और राजद के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दिया जाना। कांग्रेस ने गाली देने वाले का बचाव तो नहीं किया, लेकिन उसे भाजपा का ही एजेंट करार दिया।

पिछले दिनों दिल्ली के जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी के धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को कैमरे के सामने जमकर भद्दी गालियां दी गईं। इस दौरान गालियों वाले पोस्टर भी नजर आए। गालियां देने वालों में लड़के-लड़कियां, दोनों थे। किसी भी विरोधी राजनीतिक दल ने इन गालियों का विरोध नहीं किया। काकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ताओं ने इन गालियों को हल्के मजाक की संज्ञा दी।

नारीवादियों ने प्रश्न किया कि क्या बुरा इसलिए लग रहा है कि जेन-जी लड़कियों ने मां-बहन की गालियां दीं? कुल मिलाकर गालीबाजी का बचाव ही किया गया। राजनीतिक मंचों पर भाषाई मर्यादा का उल्लंघन तो कभी-कभार ही देखने को मिलता है, सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों पर यह हर दिन देखने को मिल रहा है। राजनीतिक दलों के आईटी सेल वालों के बीच विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ भद्दी भाषा का इस्तेमाल करने और उनका भोंडे तरीके से मजाक उड़ाने की होड़ लगी है। इस काम में एआई का जमकर दुरुपयोग किया जा रहा है।

डिजिटल मीडिया पहले से ही विषाक्त था, राजनीतिक दलों के आईटी सेल वालों ने उसे और विषाक्त कर दिया है। भाषाई मर्यादा का उल्लंघन केवल कांग्रेस और भाजपा के नेताओं की ओर से ही नहीं किया जा रहा है।

नकल रोकने वाला शिक्षक अपराधी कैसे बन गया?

आईआईटी बॉम्बे की घटना ने शिक्षा व्यवस्था, कानून, सामाजिक न्याय और संस्थागत जवाबदेही पर खड़े किए कई असहज सवाल

> 66
> भारत के संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समानता और न्याय का अधिकार दिया है। किसी व्यक्ति की जाति चाहे जो हो, वह सबसे पहले इस देश का नागरिक है। उसके अधिकार भी हैं और उसके कर्तव्य भी।

IIT बॉम्बे जैसे देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान से सामने आई साहिल वाकोड़े की मौत की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। एक युवा छात्र की मृत्यु कभी सामान्य घटना नहीं हो सकती। यह परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है और समाज के लिए आत्ममंथन का अवसर भी लेकिन इस घटना के साथ एक दूसरा प्रश्न भी खड़ा हुआ है—क्या किसी छात्र की मृत्यु के बाद हम बिना पूरी जांच के किसी शिक्षक को दोषी मान लें? और इसके विपरीत यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या किसी प्रतिष्ठित संस्थान का शिक्षक केवल इसलिए हर आरोप से मुक्त मान लिया जाए क्योंकि वह शिक्षक है? इन दोनों सवालों का उत्तर भावनाओं से नहीं बल्कि निष्पक्ष जांच, प्रमाण, कानून और न्यायिक प्रक्रिया से ही मिल सकता है।

आज IIT बॉम्बे में जो कुछ हुआ है, वह केवल एक छात्र और एक प्रोफेसर के बीच का विवाद नहीं है। यह भारतीय शिक्षा व्यवस्था के सामने खड़ा वह आईना है, जिसमें हमें एक साथ कई चेहरे दिखाई देते हैं—नकल की बढ़ती प्रवृत्ति, परीक्षा का दबाव, मानसिक स्वास्थ्य, जातिगत भेदभाव के आरोप, शिक्षक की जिम्मेदारी, संस्थागत जवाबदेही, कानून का प्रयोग और सोशल मीडिया की अदालत। यही कारण है कि इस घटना को केवल इस सवाल तक सीमित करना कि 'किसका पक्ष सही है', उचित नहीं होगा। असली सवाल यह होना चाहिए कि घटना की वास्तविकता क्या है और उस वास्तविकता तक निष्पक्ष तरीके से कैसे पहुंचा जाए। परीक्षा किसी भी शिक्षण व्यवस्था की विश्वसनीयता का आधार होती है। यदि कोई विद्यार्थी परीक्षा कक्ष में मोबाइल लेकर जाता है, प्रश्नपत्र को किसी AI प्लेटफॉर्म पर डालता है और उससे उत्तर प्राप्त करने का प्रयास करता है तो यह केवल उस विद्यार्थी की व्यक्तिगत गलती नहीं है। इससे उन सभी विद्यार्थियों के अधिकार प्रभावित होते हैं जो ईमानदारी से परीक्षा दे रहे हैं। IIT बॉम्बे के प्रारंभिक बयान के अनुसार साहिल वाकोड़े परीक्षा के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए थे और कथित तौर पर प्रश्नपत्र को ChatGPT पर डालकर उत्तर लेने का प्रयास किया गया था। संस्थान के अनुसार उस समय उनके खिलाफ औपचारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं हुई थी और उन्हें काउंसलिंग दी गई थी। यदि जांच में यह तथ्य सही साबित होता है, तो सवाल उठता है कि परीक्षा में नकल रोकने की जिम्मेदारी किसकी है? निश्चित रूप से शिक्षक और संस्थान की।

यदि शिक्षक नकल देखकर आंखें बंद कर दें तो ईमानदार विद्यार्थियों के साथ अन्याय होगा लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि शिक्षक को असीमित अधिकार मिल जाएं। शिक्षक को संस्थान के नियमों के भीतर रहकर कार्रवाई करनी चाहिए और छात्र की गरिमा तथा मानसिक स्थिति का भी ध्यान रखना चाहिए। अनुशासन और संवेदनशीलता दोनों साथ चलने चाहिए। शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक सफलता तभी संभव है जब नियमों का पालन भी हो और विद्यार्थी को एक इंसान के रूप में समझने की कोशिश भी की जाए।

इस घटना का सबसे संवेदनशील पहलू जातिगत आरोप हैं। साहिल के परिवार की ओर से प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला और संस्थान से जुड़े लोगों पर जातिगत उत्पीड़न तथा मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए गए हैं और पुलिस ने इन आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया है। इन आरोपों की जांच अभी जारी है और उन्हें न्यायिक रूप से सिद्ध तथ्य नहीं माना जा सकता। यहीं समाज को अत्यंत सावधान रहने की आवश्यकता है। SC/ST कानून ऐतिहासिक सामाजिक भेदभाव और अत्याचार से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यदि किसी व्यक्ति के साथ उसकी जाति के कारण अपराध होता है तो कानून का संरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन दूसरी ओर किसी कानून का अस्तित्व यह भी नहीं कहता कि किसी व्यक्ति को बिना जांच के दोषी मान लिया जाए। FIR जांच की शुरुआत होती है, अंतिम फैसला नहीं। किसी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना और न्यायालय द्वारा अपराध सिद्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं।

यदि किसी SC/ST विद्यार्थी के साथ जातिगत अपमान होता है तो कानून उसकी रक्षा करे। यदि किसी OBC विद्यार्थी के साथ भेदभाव होता है तो कानून उसकी रक्षा करे। यदि सामान्य वर्ग के विद्यार्थी के साथ अन्याय होता है तो कानून उसकी रक्षा करे। और यदि किसी शिक्षक के खिलाफ झूठा आरोप लगाया जाता है तो उसे भी निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया का अधिकार मिलना चाहिए। न्याय का अर्थ किसी एक पक्ष को हराना या जिताना नहीं, बल्कि सत्य तक पहुंचना है।

यही कारण है कि इस घटना को किसी एक जाति के पक्ष या विरोध में खड़ा करना भी गलत होगा। भारत किसी एक जाति का देश नहीं है। भारत हर नागरिक का देश है। सामाजिक न्याय की आवश्यकता को स्वीकार करना और कानून के संभावित दुरुपयोग पर सवाल उठाना—दोनों बातें एक साथ संभव हैं। यदि किसी कानून के गलत इस्तेमाल की शिकायत है तो उसका समाधान कानून को खत्म करना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच, न्यायिक निगरानी और दोष सिद्ध होने पर उचित कार्रवाई है। उसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति के साथ वास्तव में जातिगत अत्याचार हुआ है तो उसकी शिकायत को केवल 'कानून का दुरुपयोग' कहकर खारिज करना भी न्यायसंगत नहीं होगा। प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला की शैक्षणिक पृष्ठभूमि को लेकर भी सोशल मीडिया पर कई दावे किए जा रहे हैं। IIT बॉम्बे की आधिकारिक प्रोफाइल के अनुसार वे Energy Science & Engineering विभाग में प्रोफेसर हैं। उनकी प्रोफाइल में Nagarjuna University से B.Tech, IIT Bombay से M.Tech और IIT Delhi से PhD की जानकारी दर्ज है। वे JEE Advanced से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी निभा चुके हैं और 2022 में Organising Chairman रहे हैं।

– अशोक कुमार झा

श्राद्ध की आत्मा ...

डॉ. घनश्याम बादल

स्वर्गीय पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का संकल्प एवं श्रद्धा का परिचायक है श्राद्ध पक्ष

इस वर्ष 26 सितंबर से पूर्णिमा के साथ श्राद्ध पक्ष की शुरुआत हो रही है यद्यपि पहला श्राद्ध प्रतिपदा 27 सितंबर को होगा। जहां भारत भर में श्राद्ध पक्ष विशेष श्रद्धा एवं भाव के साथ मनाया जाता है वहीं श्राद्ध की शुरुआत को लेकर विभिन्न परंपराएं मिलती हैं, महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म पितामह युधिष्ठिर को बताते हैं कि महर्षि अत्रि ने महर्षि निमि को श्राद्ध की विधि बताई और निमि ने उसका अनुष्ठान किया। इसके बाद अन्य ऋषियों ने भी पितृयज्ञ का अनुसरण किया। कथा का मूल संदेश महत्वपूर्ण है। निमि ने अपने मृत पुत्र की स्मृति में जो किया, वह आगे चलकर व्यक्तिगत शोक से निकलकर वंशगत कृतज्ञता के संस्कार में बदल गया। इसीलिए श्राद्ध का अर्थ केवल मृतक को भोजन कराना नहीं, बल्कि यह स्वीकार करना भी है कि हमारी वर्तमान पीढ़ी अपने से पहले की पीढ़ियों की देन है।

सामान्य पार्वण श्राद्ध में पिता, पितामह और प्रपितामह-अर्थात तीन पीढ़ियों के लिए तीन पिंडों का विधान प्रसिद्ध है। गरुड़ पुराण में भी पिता, पितामह और प्रपितामह के लिए पिंडों का उल्लेख मिलता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि इससे पहले के पूर्वजों का स्मरण निषिद्ध है। श्राद्ध-संकल्प व्यापक पितृगण के लिए हो सकता है। मनुस्मृति में योग्य ब्राह्मण को श्राद्ध कराने पर सात पीढ़ियों तक पितरों की तृप्ति का उल्लेख भी मिलता है। इसलिए विधि की दृष्टि से तीन पीढ़ियां प्रमुख पिंड-परंपरा हैं, जबकि पितृ-स्मरण का दायरा इससे व्यापक है।

श्राद्ध की आत्मा है—श्रद्धा, शुद्धता, संयम और सामर्थ्यानुसार अर्पण। सामान्यतः कुश या दर्भ, काले तिल, अक्षत, जल, चावल अथवा जौ, दूध, घी, मधु, फल, पुष्प, धूप-दीप आदि का उपयोग होता है। पिंड की सामग्री कुल-परंपरा और क्षेत्र के अनुसार बदल सकती है। यह आज की व्यावहारिक समस्या है। मनुस्मृति में भी योग्य ब्राह्मण उपलब्ध न होने की स्थिति में वैकल्पिक पात्रों का उल्लेख मिलता है। मित्र, नाना, मामा, गुरु, ससुर, जामाता आदि को भोजन कराने की व्यवस्था का उल्लेख है। केवल इसलिए श्राद्ध रोक देना कि आसपास ब्राह्मण उपलब्ध नहीं है, उचित नहीं। गरुड़ पुराण की परंपरा में अपात्रक श्राद्ध का भी उल्लेख है, जिसमें ब्राह्मणों को आसन पर बैठाने के स्थान पर कुश को प्रतिनिधि रूप में स्थापित करके विधि की जाती है।

आज की परिस्थिति में, यदि विधिवत पुरोहित उपलब्ध न हो तो परिवार अपनी परंपरा के जानकार आचार्य से संकल्प-विधि समझकर तर्पण, पिंडदान, पितृस्मरण, सात्त्विक भोजन और यथाशक्ति दान कर सकता है। किसी जरूरतमंद को भोजन कराना भी कृतज्ञता की भावना को सार्थक करता है।

इसके लिए घबराने की जरूरत नहीं। पितृपक्ष में निर्धारित तिथि छूट जाए और बाद में ध्यान आए तो सर्वपितृ अमावस्या एक महत्वपूर्ण अवसर है। परंपरा में इस दिन ज्ञात-अज्ञात पितरों तथा छूटे हुए श्राद्धों के लिए तर्पण और श्राद्ध करने की व्यवस्था मानी जाती है। 2026 में सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। यदि यह भी संभव न हो तो अपने कुलाचार और स्थानीय आचार्य की सलाह से उपयुक्त अगली तिथि निर्धारित की जा सकती है।

तीर्थ-श्राद्ध का अपना विशेष महत्व है, लेकिन वार्षिक श्राद्ध और पितृपक्ष के तर्पण को उसका स्वतः विकल्प मानना उचित नहीं। यहां तक कि गया-श्राद्ध के बारे में भी धर्मपरंपरा में मत मिलता है कि उसके बाद भी वार्षिक और पार्वण श्राद्ध किए जाते हैं। गरुड़ पुराण में तीर्थश्राद्ध और गया श्राद्ध को अलग प्रसंग के रूप में रखा गया है। इसलिए उज्जैन में एक बार तर्पण से हमेशा के लिए श्राद्ध न करना अधिकतर धार्मिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

श्राद्ध कोई दंड नहीं है जिससे मुक्ति पाने के लिए कोई प्रमाणपत्र चाहिए। मृत्यु के बाद के प्रारंभिक संस्कार, सपिंडीकरण, वार्षिक श्राद्ध और पितृपक्ष के कर्म अलग-अलग प्रयोजनों से जुड़े हैं। सामान्यतः वार्षिक श्राद्ध को केवल कुछ वर्षों बाद बंद कर देने का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं है। कौन व्यक्ति कर्ता बनेगा, इसमें परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन हो सकता है। यदि पुत्र उपलब्ध नहीं है, तो परिवार की परंपरा और धर्मशास्त्रीय अधिकार के अनुसार अन्य निकट संबंधी यह दायित्व निभा सकते हैं। विशेष परिस्थिति में कुलपुरोहित से निर्णय लेना उचित है।

आज बेटा अमेरिका में है, बेटी बेंगलुरु में, माता-पिता किसी दूसरे शहर में और पुश्तैनी घर कहीं और।

मौनपालन ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

एकीकृत बागवानी विकास मिशन से मौनपालन बना किसानों की आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार

प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की आय में संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कृषि विविधीकरण एवं औद्यानिक विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। परंपरागत फसलों की सीमित लाभप्रदता और बढ़ती लागत के दृष्टिगत किसानों को आधुनिक तकनीकों, नकदी फसलों एवं सहायक कृषि व्यवसायों से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी क्रम में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के अंतर्गत 'पॉलीनेशन सपोर्ट' 'बी.कीपिंग' (मौनपालन) कार्यक्रम किसानों और ग्रामीण युवाओं के लिए आजीविका का एक सशक्त और लाभकारी माध्यम बनकर उभरा है। मौनपालन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न केवल मधुमक्खी उत्पादों के माध्यम से किसानों को नियमित और अतिरिक्त आय उपलब्ध कराना है, बल्कि फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में गुणात्मक सुधार लाना भी है। योजना के प्रावधानों के तहत वैज्ञानिक पद्धति से मौनपालन को बढ़ावा देने के लिए प्रति व्यावसायिक इकाई 1.28 लाख रुपये का प्रत्यक्ष अनुदान प्रदान किया जाता है। यह वित्तीय सहायता पारदर्शी व्यवस्था के तहत डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) प्रणाली के माध्यम से सीधे लाभार्थी किसान के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है। इस इकाई के अंतर्गत 50 मौनवंश (हनी बी कॉलोनी), मौनगृह (बी-हाइव), शहद निष्कर्षण यंत्र और आवश्यक सुरक्षा उपकरण सम्मिलित किए जाते हैं। यह योजना भूमिहीन, लघु एवं सीमांत किसानों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो रही है, क्योंकि मौनपालन इकाई स्थापित करने के लिए अत्यधिक भूमि की आवश्यकता नहीं होती है। प्रक्षेत्र की मेड़ों अथवा अप्रयुक्त भूमि पर भी बक्से रखकर यह व्यवसाय सुगमता से संचालित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, मधुमक्खियों की सक्रियता से पर-परागण की प्राकृतिक प्रक्रिया तीव्र होती है, जिससे आसपास के खेतों में बोई गई सरसों, तोरिया, दलहनी फसलों और फल-सब्जियों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जाती है। इस प्रकार किसान को शहद, मोम और परागकण की बिक्री के साथ-साथ मुख्य फसलों की बेहतर पैदावार का दोहरा लाभ मिलता है। जनपद शाहजहांपुर में जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में इस योजना का धरातल पर सफल क्रियान्वयन कराया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा औद्यानिक विकास योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए इच्छुक किसानों को तकनीकी और वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र तथा विभागीय प्रक्षेत्रों के माध्यम से समय-समय पर जागरूकता एवं तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन कर किसानों को वैज्ञानिक प्रबंधन, कीट नियंत्रण और गुणवत्तापूर्ण शहद उत्पादन की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। जनपद शाहजहांपुर के विकास खंड एवं तहसील तिलहर अंतर्गत ग्राम ढका निवासी प्रगतिशील कृषक वेदराम (आत्मज श्री सियाराम) की सफलता इस योजना के सकारात्मक प्रभावों का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

जरा हटके

इसमें 64 हजार ...

आशिया खातून

प्रदेश की बेटियों के सम्मान और गरीब परिवारों की खुशियों का आधार बनी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों में बेटियों और महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। योजना न केवल विवाह के आर्थिक बोझ को कम कर रही है, बल्कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सम्मान के साथ अपनी बेटियों का विवाह संपन्न कराने का अवसर भी दे रही है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 5,71,963 जोड़ो का विवाह कराते हुए कल्याणकारी कार्य किये गये है। समाज में सर्वधर्म-समभाव तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने हेतु राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचालित की है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न समुदाय एवं धर्मों के रीति-रिवाजों के अनुसार वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाता है। योजना का यह भी उद्देश्य है कि विवाह उत्सव में होने वाले अनावश्यक प्रदर्शन एवं अपव्यय को समाप्त किया जाये। रू० 3,00,000/- वार्षिक आय सीमा के अन्तर्गत आने वाले सभी वर्गों के परिवारों को इस योजनान्तर्गत आच्छादित किया जाता है। सभी वर्गों के जरूरतमंद, निराश्रित परिवारों के कन्याओं के विवाह हेतु सामूहिक आयोजन किया जाता है। योजनान्तर्गत विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा महिलाओं के विवाह की भी व्यवस्था है। आर्थिक अभाव किसी बेटी के विवाह में बाधा न बने और गरीब परिवार भी अपनी बेटियों का विवाह सम्मान और गरिमा के साथ कर सकें, इसी उद्देश्य को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के प्रति प्रदेश के गरीब और जरूरतमंद परिवारों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक योजना के अंतर्गत 72,787 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत विवाह कार्यक्रमों में तेजी आई है। अब तक प्रदेश में 17,758 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जा चुका है, जबकि पूरे वित्तीय वर्ष में 72,448 सामूहिक विवाह कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आवेदनों की जांच और पात्रता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया यह दर्शाती है कि प्रदेश सरकार इस योजना का लाभ वास्तविक पात्र परिवारों तक पहुंचाने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। सरकार का जोर केवल अधिक से अधिक विवाह कराने पर ही नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने पर भी है कि सरकारी सहायता सही लाभार्थी तक पहुंचे और किसी भी स्तर पर अपात्र व्यक्ति इसका लाभ न उठा सके। प्रदेश सरकार के नेतृत्व में अब तक 5.72 लाख जोड़ो का विवाह सम्पन्न कराया गया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है कि प्रत्येक जोड़े को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसमें 64 हजार रुपये गृहस्थी बसाने, 21 हजार रुपये वैवाहिक उपहार सामग्री तथा 15 हजार रुपये विवाह समारोह की आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए निर्धारित हैं। यह सहायता गरीब परिवारों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संबल साबित हो रही है। विवाह के बाद नवविवाहित दंपती को नई गृहस्थी शुरू करने में भी मदद मिलती है। इस प्रकार योजना केवल विवाह की औपचारिकता पूरी करने तक सीमित नहीं है, बल्कि नवदंपती के जीवन की नई शुरुआत को आर्थिक आधार देने का भी प्रयास करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में जनकल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना भी इससे अछूती नहीं है। योजना में ई-केवाईसी के माध्यम से आवेदकों का सत्यापन किया जा रहा है। इसके साथ ही ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से आय और जाति प्रमाण पत्रों के डिजिटल सत्यापन की व्यवस्था प्रभावी की गई है। इससे पात्रता की जांच अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से हो रही है। शीघ्र ही आधार आधारित भुगतान व्यवस्था लागू किए जाने की तैयारी है। इसके लागू होने के बाद अनुदान की राशि पात्र लाभार्थी के आधार से जुड़े बैंक खाते में सीधे भेजी जाती है। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई और लाभार्थी को सरकारी सहायता प्राप्त करने में अधिक सुविधा होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का संकल्प है कि आर्थिक अभाव किसी बेटी के सम्मानजनक विवाह में बाधा न बने। सरकार का प्रयास है कि योजना का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ वास्तविक और पात्र परिवारों तक पहुंचे तथा तकनीक के माध्यम से सत्यापन व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को केवल विवाह सहायता की योजना के रूप में देखना इसके व्यापक सामाजिक उद्देश्य को सीमित करना होगा। यह योजना प्रदेश सरकार की उस व्यापक नीति का हिस्सा है, जिसके केंद्र में महिलाओं और बेटियों का सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता है। उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति जैसे अभियानों के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उनकी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया है। महिला स्वयं सहायता समूहों के विस्तार ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का रास्ता खोला है। बेटियों के लिए शिक्षा से लेकर कौशल विकास तक विभिन्न स्तरों पर किए जा रहे प्रयासों का उद्देश्य यही है कि बेटी को परिवार पर आर्थिक बोझ के रूप में नहीं, बल्कि विकास की सहभागी के रूप में देखा जाए।

प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का एक प्रमुख उद्देश्य समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का अभियान हो, राशन की सुविधा हो, स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं हों या गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा और छात्रवृत्ति से संबंधित कार्यक्रम सरकार की नीतियों में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने पर जोर दिखाई देता है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बनकर उभरी है। विवाह जैसे सामाजिक अवसर पर होने वाला खर्च गरीब परिवारों के लिए कई बार बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे में सरकारी सहायता उन्हें आर्थिक दबाव से राहत देती है और बेटी के विवाह को सम्मानजनक तरीके से संपन्न कराने में मदद करती है।

7.5 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर, 5 स्टेशन बनेंगे, रोजाना करीब 5 लाख लोगों को होगा फायदा

वेस्ट मेट्रो को 15 अक्टूबर तक मिल सकती है मंजूरी

तैयारी

फिलहाल ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सार्वजनिक परिवहन के लिए लोगों की निर्भरता मुख्य रूप से सिटी बस और ऑटो पर है। क्षेत्र में लगातार बढ़ती आबादी के कारण रोजाना बड़ी संख्या में लोग नोएडा, दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में काम, कारोबार और अन्य जरूरतों के लिए आवागमन करते हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले लाखों लोगों के लिए मेट्रो कनेक्टिविटी का इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट सेक्टर-4 तक प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर को लेकर अब मंजूरी की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। परियोजना को 15 अक्टूबर तक मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। मंजूरी मिलने के बाद परियोजना के निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा और संबंधित एजेंसियां आगे की प्रक्रिया शुरू कर सकेंगी। एनएमआरसी के एमडी कृष्णा करुणेश के मुताबिक, प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) पिछले महीने प्रधानमंत्री कार्यालय यानी पीएमओ को भेजी जा चुकी है। परियोजना के निर्माण से जुड़ी जरूरी एनओसी भी प्राप्त हो चुकी हैं। अब मुख्य रूप से पीएमओ की मंजूरी का इंतजार है। मंजूरी मिलते ही परियोजना पर काम शुरू कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

सेक्टर-51 से सेक्टर-4 तक जुड़ेगा मेट्रो रूट

प्रस्तावित कॉरिडोर नोएडा के सेक्टर-51 से शुरू होकर ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-4 तक जाएगा। करीब 7.5 किलोमीटर लंबे इस पूरे रूट को एलिवेटेड बनाए जाने की योजना है। इससे सड़क यातायात के ऊपर मेट्रो संचालन संभव होगा और जमीन पर अतिरिक्त जगह की जरूरत भी अपेक्षाकृत कम रहेगी। इस कॉरिडोर को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लिए महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी परियोजना माना जा रहा है, क्योंकि क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में आवासीय परियोजनाएं विकसित हुई हैं। आबादी बढ़ने के साथ सार्वजनिक परिवहन की जरूरत भी लगातार बढ़ी है। ऐसे में मेट्रो कनेक्टिविटी शुरू होने से नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच आवागमन का एक नया विकल्प उपलब्ध होगा।

करीब 900 करोड़ रुपये आएगा खर्च

परियोजना की अनुमानित लागत करीब 900 करोड़ रुपये बताई गई है। यह कॉरिडोर सेक्टर-51 से आगे ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ने वाली एक्सटेंशन लाइन के रूप में विकसित किया जाएगा।

परियोजना की लागत में केंद्र और राज्य सरकार के साथ नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की भी हिस्सेदारी प्रस्तावित है। परियोजना को लेकर डीपीआर पहले ही पीएमओ को भेजे जाने के बाद अब मंजूरी पर निगाहें टिकी हैं।

मंजूरी मिलने के बाद निर्माण से संबंधित अगली प्रक्रियाएं शुरू की जाएंगी। इसके बाद टेंडर और निर्माण कार्य की दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता खुलेगा।

दुकान से अल्टीनेटर चोरी करने वाले दो आरोपी 24 घंटे में हुए गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बिजनौर थाना पुलिस ने दुकान से अल्टीनेटर चोरी करने के मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया अल्टीनेटर बरामद किया है। आरोपियों की पहचान शिव कुमार बासोर (27) और अर्जुन बासोर (20) के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में आशियाना क्षेत्र स्थित तौंदीखेड़ा झोपड़पट्टी में रह रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, 22 सितंबर को एल्डिको उद्यान-2, पीजीआई निवासी गौरव चौहान ने बिजनौर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर उनकी दुकान से अल्टीनेटर चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 263/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में दो टीमें गठित की गईं। टीमों ने करीब 50 से 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से पुलिस ने दोनों आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और नशे की लत व खर्च पूरा करने के लिए चोरी करते हैं। आरोपियों के अनुसार, उन्होंने अनूपखेड़ा अंडरपास के पास दुकान के बाहर रखे जनरेटर से अल्टीनेटर चोरी किया था और उसे पास के जंगल में छिपा दिया था। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी चोरी का सामान बेचने की तैयारी में थे, तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने चोरी गया अल्टीनेटर बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

फास्ट न्यूज

थाने बुलाकर महिला को बंद करने का आरोप

देवरिया। देवरिया जिले के गौरीबाजार थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्रवाई पर बुधवार को दिन में हंगामा हो गया। आरोप है कि एक महिला को सुलह-समझौते के लिए थाने बुलाया गया, लेकिन फिर उसे चार पहिया वाहन से देवरिया स्थित सीजेएम कोर्ट ले जाया गया। महिला की बेटी ने बताया कि उन्हें कोर्ट ले जाने की जानकारी नहीं दी गई थी। दरअसल, गौरी बाजार थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती ने एक किशोर के साथ मंदिर में शादी कर ली है।

अमेठी डीएम ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

अमेठी। अमेठी के नए डीएम शशांक चौधरी ने पदभार संभालते ही काम शुरू कर दिया है। उन्होंने आज दोपहर जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अस्पताल परिसर में गंदगी देखी। इस पर उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अस्पताल में बेहतर साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। डीएम ने ओपीडी, डायलिसिस सेंटर और पैथोलॉजी सेंटर का भी जायजा लिया। उन्होंने मरीजों और उनके तीमारदारों से स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के बारे में भी पूछा। डीएम दोपहर करीब तीन बजे अस्पताल पहुंचे थे। डीएम शशांक चौधरी ने कहा कि जिला अस्पताल में जो भी कमियां हैं।

झांसी में गैंगरेप के बाद छात्रा ने किया सुसाइड

झांसी। झांसी में गैंगरेप के बाद 19 साल की BA छात्रा ने सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक, 20 सितंबर को छात्रा अपने बाड़े से उपले लेने गई थी। वहां पहले से मौजूद 6 युवकों ने उसे पकड़ लिया और कमरे में ले गए। आरोप है कि युवकों ने छात्रा के साथ गैंगरेप किया और उसका अश्लील वीडियो-फोटो बना लिया। इसके बाद किसी को घटना के बारे में बताने पर वीडियो-फोटो वायरल करने की धमकी दी।

पिछड़ा वर्ग छात्रावासों के अनुरक्षण हेतु 04 करोड़ 98 लाख से अधिक धनराशि स्वीकृत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय सुविधायें एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के 08 चयनित छात्रावासों की मरम्मत एवं अनुरक्षण व जीर्णोद्धार कार्यों के लिए कुल रू0 498.71 लाख (रुपये चार करोड़ अट्ठानबे लाख इकहत्तर हजार) मात्र की धनराशि स्वीकृत की गई है।

उत्तर प्रदेश के राजकीय पॉलीटेक्निक, बहराइच हेतु 67 लाख 42 हज़ार, राजकीय इंटर कॉलेज, बरेली हेतु 64 लाख 81 हज़ार, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक, गोरखपुर हेतु 67 लाख 93 हज़ार, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, (शताब्दी-2) कानपुर नगर हेतु 66 लाख 52 हज़ार, राजकीय इंटर कॉलेज, प्रतापगढ़ हेतु 61 लाख 88 हज़ार, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, पलही पट्टी, वाराणसी हेतु 57 लाख 10 हज़ार, राजकीय इंटर कॉलेज, घोरावल, सोनभद्र हेतु 58 लाख 76 हज़ार तथा राजकीय महाविद्यालय, बारा, कानपुर देहात हेतु 54 लाख 29 हज़ार रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

धनराशि का आहरण एवं व्यय जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा। इसके लिए निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश तथा कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल स्वीकृत अनुरक्षण कार्यों के लिए ही किया जाएगा। कार्य प्रारंभ करने से पूर्व सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाएगी। स्वीकृत आगणन में बिना सक्षम स्तर की पूर्व अनुमति के नए कार्य जोड़ने अथवा कार्यों के आकार में वृद्धि करने की अनुमति नहीं होगी। अनुरक्षण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित छात्रावास के प्रधानाचार्य तथा जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा स्थानीय स्तर पर कार्यों का पर्यवेक्षण किया जाएगा। कार्य की गुणवत्ता एवं कार्य पूर्णता का प्रमाण-पत्र मुख्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा। मंडलीय उपनिदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण द्वारा अपने भ्रमण के दौरान अनुरक्षण कार्यों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण भी किया जाएगा। अनुरक्षण कार्यों की गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए शासन स्तर पर समिति गठित की जाएगी, जो कार्य पूर्ण होने के बाद अनुरक्षण कार्य का भौतिक सत्यापन करेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग संबंधित वित्तीय वर्ष में ही किया जाना है तथा इसे अगले वित्तीय वर्ष के लिए अग्रेषित नहीं किया जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत कार्य पूर्व में निर्मित छात्रावासों के मरम्मत एवं अनुरक्षण से संबंधित होंगे। इस कार्य में किसी भी प्रकार का नवीन निर्माण शामिल नहीं किया जाएगा।

आप सांसद ने चुनाव आयुक्तों की असहमति का हवाला देते हुए उठाए सवाल

फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर संजय सिंह का चुनाव आयोग पर हमला

कई प्रमुख लोगों के नाम हटने का दावा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, फॉर्म-6 में किए गए कथित बदलाव और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से जारी बयान में उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। संजय सिंह ने दावा किया कि चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्तों ने फॉर्म-6 में बदलाव और वोटों को जोड़ने-घटाने की केंद्रीकृत व्यवस्था पर 14 बार लिखित असहमति दर्ज कराई है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि मतदाताओं के नाम हटाने और जोड़ने की नई केंद्रीकृत व्यवस्था को

लेकर आयोग के भीतर ही आपत्ति दर्ज की गई है। उनके मुताबिक, स्थानीय अधिकारियों से अधिकार लेकर केंद्रीकृत तरीके से मतदाता सूची में बदलाव करना उचित नहीं है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग के भीतर विरोध के बावजूद एकतरफा फैसले लिए जा रहे हैं।

संजय सिंह ने कहा कि फॉर्म-6 के नियमों को जटिल बनाया गया है, जिससे आम नागरिकों के लिए इसे पूरा करना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने और बाद में बड़ी संख्या में नाम सही पाए जाने का दावा करते हुए सवाल उठाया कि जिन लोगों के नाम गलत तरीके से हटाए गए, उनकी जिम्मेदारी कौन तय करेगा।

संजय सिंह ने दिल्ली की मतदाता सूची का हवाला देते हुए दावा किया कि पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व सेना प्रमुख, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व विदेश सचिव, अरविंद केजरीवाल और उनके परिवार के सदस्यों, मनीष सिसोदिया तथा कपिल सिब्बल समेत कई प्रमुख लोगों के नाम सूची से हटाए गए। उन्होंने चुनाव आयुक्त संधू का नाम भी सूची से गायब होने का दावा किया। इन दावों के संबंध में संबंधित मतदाता सूची या आधिकारिक रिकॉर्ड का विवरण उनके बयान में प्रस्तुत नहीं किया गया। संजय सिंह ने इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका पर भी सवाल उठाए और न्यायपालिका पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यदि बड़ी संख्या में मतदाता बाद में सही पाए गए।

कृषक समृद्धि योजना और भारत टैक्सी सेवा शुरू

छह लाख तक ऋण, पांच साल में पांच लाख किसानों को लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना और भारत टैक्सी सेवा का शुभारंभ किया। कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर ने बताया कि योजना के तहत लघु एवं सीमांत किसानों को छह लाख रुपये तक का दीर्घकालीन ऋण छह प्रतिशत प्रभावी ब्याज दर पर मिलेगा। समय से किस्त जमा करने वाले पात्र किसानों को ब्याज अनुदान का लाभ भी मिलेगा। योजना के लिए 384 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और पांच वर्षों में पांच लाख किसानों को लाभ देने का लक्ष्य है। विधायक मांट राजेश चौधरी ने किसानों से योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि और सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने से देश की प्रगति होगी। इस अवसर पर भारत टैक्सी सेवा भी शुरू की गई। सहकारी व्यवस्था पर आधारित इस सेवा से चालक सदस्य के रूप में जुड़ेंगे। इसका उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित एवं किफायती परिवहन सुविधा देने के साथ चालकों को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, सहकारिता विभाग के अधिकारी, सहकारी समितियों के पदाधिकारी और किसान मौजूद रहे।

अखिलेश के सामने महिला फूट-फूटकर रोई

बोली- नवंबर में बेटी की शादी, घर पर बुलडोजर चला दिया

- अयोध्या से आईं प्रीति चौहान ने रोते हुए अखिलेश से बुलडोजर एक्शन की जानकारी दी।
- अखिलेश ने कहा- सभी चुनाव आयुक्त अपना सही काम नहीं कर पा रहे हैं। ये लोकतंत्र के लिए बेहद घातक और खतरनाक है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान अयोध्या में आई एक महिला अखिलेश के सामने फूट-फूट कर रोई। उन्होंने बताया- मेरा घर सड़क चौड़ीकरण के दायरे में नहीं आ रहा था, फिर भी बुलडोजर चलाकर घर गिरा दिया। प्रीति चौहान नाम की महिला ने रोते हुए कहा- नवंबर में बेटी की शादी है। घर पर रात में डेढ़ बजे बुलडोजर चला दिया। मेरा सब कुछ चला गया। सारा सामान और जेवर चले गए। अब मेरे पास कुछ नहीं बचा। मैं यहां मदद की गुहार लगाने आई हूं। बच्चे बाहर बैठे हैं। इस पर अखिलेश ने कहा- प्रभु श्रीराम और अयोध्या के विकास में कोई भी रोड़ा नहीं बन सकता। सपा सरकार बनने पर अयोध्या को दुनिया का सबसे आधुनिक और 'वर्ल्ड क्लास' शहर बनाकर दिखाया जाएगा। लेकिन, मौजूदा सरकार विकास के नाम पर गरीबों और दुकानदारों को उजाड़ने का काम कर रही है। दरअसल, अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण के लिए प्रशासन ने बुलडोजर एक्शन चलाया था। जनौरा नाका क्षेत्र में 11 घरों और दुकानों को जमींदोज कर गया था। दिन में शुरू हुई कार्रवाई देर रात तक चली थी। सपा प्रमुख ने चुनावी फर्जीवाड़े पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर में एक ऐसे व्यक्ति के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर 100 लोगों के वोट कटवाने की अर्जी दी गई, जो खुद दस्तखत करना भी नहीं जानता था। नियम के मुताबिक एक बार में 5 से ज्यादा वोट नहीं कटवाए जा सकते, लेकिन 'दशरथ' नाम के फर्जी दस्तखत से 100-100 वोट काटे जा रहे थे। अखिलेश ने कहा- देश में लोकतंत्र को मिटाने का बड़ा षड्यंत्र रचा जा रहा है। अगर इस बार भाजपा को नहीं रोका गया, तो यह आपका आखिरी चुनाव साबित होगा। इसके बाद आपसे वोट डालने का अधिकार भी छीन लिया जाएगा। यानी 2027 के बाद शायद चुनाव ही न हो। उन्होंने कहा- 10 महीने में चुनाव आयोग के दो निर्वाचन आयुक्तों ने गलत फैसलों पर 14 आपत्तियां दर्ज कराईं।

सपना राजपाल ने बताया कि उन्हें अपनी दुकान और मकान खाली करने के लिए पूरा समय भी नहीं दिया गया। आधे घंटे में सामान हटाने को कहा गया। गोदाम में फ्रीजर और रेफ्रिजरेटर रखे थे। फिर भी बुलडोजर चला दिया। अब हमारे पास खाने को कुछ नहीं है। दवा के भी पैसे नहीं हैं। ऐसा अत्याचार हमने पहले कभी नहीं देखा था।

बढ़ावा : आयुर्वेद, योग एवं भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक अनुसंधान और नवाचार से जोड़कर वैश्विक स्तर पर बढ़ाया जाए

आयुर्वेद भारत की प्राचीन विरासत ही नहीं, स्वस्थ भविष्य की मजबूत आधारशिला भी: श्री केशव प्रसाद मौर्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपरा और आयुर्वेद का महत्व आज निरंतर बढ़ रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारत की समृद्ध आयुर्वेदिक ज्ञान परंपरा को वैश्विक पहचान मिल रही है। आयुर्वेद को आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ते हुए अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत और स्वस्थ उत्तर प्रदेश के निर्माण में आयुर्वेद, योग, होम्योपैथी, यूनानी सहित भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। श्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को मकरी हॉल, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में 11वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को आयुर्वेद दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। ताकि प्रत्येक पद्धति की उपयोगी जानकारी व्यापक रूप से उपलब्ध हो और मरीजों को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में "एक जनपद-एक मेडिकल कॉलेज" की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

श्री मौर्य ने कहा कि गांवों में एक प्रचलित कहावत है-"पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया।" स्वस्थ शरीर ही जीवन की वास्तविक समृद्धि का आधार है। आयुर्वेद और योग स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने तथा निरोगी जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के प्रति लोगों का विश्वास निरंतर बढ़ रहा है और इस विश्वास को और मजबूत करने के लिए अनुसंधान तथा प्रमाणिकता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

प्रमुख सचिव, आयुष श्री रंजन कुमार ने कहा कि

आज आयुर्वेद दिवस के अवसर पर हम केवल एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति का उत्सव नहीं मना रहे हैं, बल्कि ऐसी समग्र स्वास्थ्य-पद्धति (Holistic health science) का सम्मान कर रहे हैं, जो शरीर और मन के साथ-साथ हमारी जीवनशैली एवं पर्यावरण को भी स्वास्थ्य का आधार मानती है। उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सा विस्तार के बारे में सरकार द्वारा किये जा रहे अभिनव प्रयासों व अन्य क्रियाकलापों के बारे में प्रकाश डाला। इस अवसर पर राज्य मंत्री, आयुषश्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु', प्रमुख सचिव आयुष श्री रंजन कुमार, महानिदेशक आयुष व निदेशक आयुष होम्योपैथी निदेशक प्रमोद कुमार सिंह, यूनानी निदेशक प्रो0 जमाल अख्तर सहित एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ ,चिकित्सक, शिक्षक एवं आयुष छात्र-छात्राएं तथा अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकारों को पेंशन

दिवंगत पत्रकारों के परिवारों को ₹25 हजार मासिक सहायता की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अनुस्मारक पत्र भेजकर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकारों और दिवंगत पत्रकारों के आश्रित परिवारों के लिए पेंशन योजना शुरू करने का अनुरोध किया है। उन्होंने पात्रता पूरी करने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पत्रकारों को नियमित मासिक पेंशन देने तथा सेवाकाल के दौरान पत्रकार की असामयिक मृत्यु होने पर उसकी विधवा अथवा पात्र आश्रित परिवार को न्यूनतम 25 हजार रुपये प्रतिमाह पारिवारिक पेंशन देने का प्रस्ताव रखा है। डॉ. सिंह ने यह सहायता कम से कम पांच वर्ष तक तथा आवश्यकता के अनुसार पांच से दस वर्ष तक दिए जाने का सुझाव दिया। उन्होंने पत्रकारों के संकटग्रस्त परिवारों के लिए पत्रकार कल्याण कोष को और मजबूत करने की जरूरत भी बताई। साथ ही अधिवक्ताओं को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की पहल के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। विधायक ने कहा कि पत्रकार समाज और जनहित के मुद्दों को लगातार आवाज देते हैं, ऐसे में उनके बुढ़ापे और परिवार के सामने आने वाले आर्थिक संकट के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से 50 वर्ष से कम आयु में दिवंगत होने वाले पत्रकारों का जिला और आयु के आधार पर प्रमाणिक अभिलेख तैयार कराने का भी अनुरोध किया।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि उन्होंने लखनऊ के दिवंगत पत्रकार विधि सिंह, मोहम्मद इरफान और नीरज श्रीवास्तव के परिवारों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और बच्चों की शिक्षा के लिए सीएसआर के माध्यम से प्रत्येक परिवार को एक-एक लाख रुपये की सहायता दिलाई। उन्होंने कहा कि यह सहायता अपूरणीय क्षति की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन संकट की घड़ी में परिवारों के साथ खड़े होने का संदेश जरूर देती है। उन्होंने पत्रकार पेंशन के लिए सरल, पारदर्शी और ऑनलाइन व्यवस्था विकसित करने की मांग करते हुए कहा कि जीवनभर जनहित की आवाज उठाने वाले पत्रकार और उनके परिवार मुश्किल समय में अकेले नहीं रहने चाहिए।

आईएएस अनुनय झा ने संभाला डीएम का चार्ज

माता-पिता भी सिविल सर्विस में, नाना बिहार के डीजीपी रहे

कार्यभार

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। 2015 बैच के आईएएस अधिकारी अनुनय झा ने बुधवार को मुरादाबाद के नए जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार संभाल लिया। सोमवार रात हुए आईएएस अधिकारियों के तबादलों में उन्हें हरदोई से स्थानांतरित कर मुरादाबाद का डीएम बनाया गया है। उन्होंने राजेंद्र पैंसिया की जगह ली है। कार्यभार संभालने के बाद अब उनके सामने जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को आगे बढ़ाने के साथ विकास कार्यों और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी होगी। मुरादाबाद की कमान मिलने के साथ ही अनुनय झा के प्रशासनिक करियर में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है।

इससे पहले वह महाराजगंज और हरदोई जैसे जिलों में जिलाधिकारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। मुरादाबाद उनके प्रशासनिक करियर का तीसरा जिला है, जहां उन्हें जिलाधिकारी के तौर पर जिले की कमान संभालने का अवसर मिला है। अनुनय झा को जिला प्रशासन का कामकाज संभालने का पहले से अनुभव है। महाराजगंज और हरदोई में जिलाधिकारी के रूप में काम करने के बाद अब उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण जिले मुरादाबाद की जिम्मेदारी मिली है। नई तैनाती के साथ जिले की कानून-व्यवस्था, विकास योजनाओं, जनसमस्याओं के निस्तारण और सरकारी योजनाओं को पात्र लोगों तक पहुंचाने जैसे प्रशासनिक कार्य उनकी प्राथमिकताओं में रहेंगे। मुरादाबाद अपनी पीतल उद्योग की पहचान के साथ-साथ व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में जिले की प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारी के सामने विकास और जनसुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषय रहते हैं। अनुनय झा मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। उनकी स्कूली शिक्षा दिल्ली के संस्कृति स्कूल, चाणक्यपुरी से हुई। इसके बाद उन्होंने IIT रुड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और वर्ष 2012 में इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी की। इंजीनियरिंग के बाद उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) से पब्लिक मैनेजमेंट में मास्टर्स की पढ़ाई की। तकनीकी शिक्षा के साथ प्रशासन और सार्वजनिक प्रबंधन की पढ़ाई ने उनके शैक्षिक अनुभव को अलग आयाम दिया। सिविल सेवा में आने से पहले अनुनय झा ने विश्व बैंक से जुड़े एक प्रोजेक्ट में भी काम किया। इस दौरान उन्हें सरकारी योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर मिला।

महाराजगंज और हरदोई के बाद मुरादाबाद

अनुनय झा इससे पहले महाराजगंज और हरदोई के जिलाधिकारी रह चुके हैं। इसके अलावा वह मथुरा में नगर आयुक्त और अलीगढ़ में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। लगातार तीसरे जिले की जिम्मेदारी मिलने के बाद अब उनके सामने मुरादाबाद में जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी।

दो बार पास की यूपीएससी परीक्षा

अनुनय झा ने यूपीएससी परीक्षा में दो बार सफलता हासिल की। वर्ष 2013 में अपने पहले प्रयास में उन्होंने 145वीं रैंक हासिल की थी। इसके बाद उनका चयन भारतीय राजस्व सेवा (IRS) के लिए हुआ। IRS में चयन के बाद भी उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी जारी रखी। वर्ष 2014 में दूसरे प्रयास में उन्होंने 57वीं रैंक हासिल की और आईएएस के लिए चयनित हुए। उन्हें 2015 बैच के आईएएस अधिकारी के रूप में उत्तर प्रदेश कैडर मिला।

> अनुनय झा का परिवार भी सिविल सेवा से जुड़ा रहा है। उनके पिता नित्यानंद मिश्रा आईआरएस अधिकारी हैं और मुंबई में चीफ इनकम टैक्स कमिश्नर के पद पर रह चुके हैं। उनकी मां अलका झा इंडियन पोस्टल सर्विस में हैं और भारतीय डाक बोर्ड की सदस्य हैं। उनके नाना बलवीर झा 1962 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। वह वर्ष 1994 से 1997 तक बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रहे थे।

आयुर्वेद स्वस्थ जीवनशैली का मार्ग : चंद्र प्रकाश सिंह

ग्यारहवें आयुर्वेद दिवस पर कलेक्ट्रेट में स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। ग्यारहवें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संरक्षण, रोगों की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का मार्ग है। नियमित दिनचर्या, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, योग और व्यायाम को जीवन में शामिल कर स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति, औषधीय पौधों के उपयोग, स्वच्छता तथा स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली के प्रति अधिकाधिक जागरूक किया जाए। क्षेत्रीय

आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. डिगम्बर सिंह ने बताया कि जिले के सभी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भगवान धन्वंतरि का पूजन कर स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। कृषि एवं वन विभाग के सहयोग से हर्बल उद्यान, औषधीय पौधों का वितरण और 'एक पौधा अपनाएं' अभियान चलाया गया। जिले के विद्यालयों में योग, ध्यान, प्रश्नोत्तरी, निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता तथा आयुर्वेद जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

फास्ट न्यूज

ताजमहल आए अमेरिकी दंपती का डॉलरों से भरा पर्स चुराया

आगरा। आगरा ताजनगरी में अमेरिकी पर्यटक दंपती का दो बच्चों ने डॉलरों से भरा पर्स पार कर दिया। पर्स में 2,750 डॉलर के साथ जरूरी कागजात और पासपोर्ट थे। भारतीय मुद्रा में यह रकम ढाई लाख रुपये से अधिक है। घटना के बाद पर्यटक दंपती ने पर्यटन थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में दो लड़के पर्स लेकर भागते नजर आए हैं। जानकारी के अनुसार, अमेरिकी पर्यटक दंपती अपने मित्र गुयेन फुओन के साथ आगरा घूमने आए थे।

प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग, हालत गंभीर

अलीगढ़। अलीगढ़ के रोरावर क्षेत्र के जलालपुर में मंगलवार देर रात प्रॉपर्टी डीलर सत्येंद्र कुमार सिंह उर्फ शिवा तोमर पर फायरिंग हुई। रात करीब 12 बजे वह स्कॉर्पियो सड़क के दूसरी तरफ खड़ी कर घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें कुछ लोगों के आसपास मौजूद होने का आभास हुआ। वह तेजी से घर की तरफ दौड़े, तभी पीछे से हमलावरों ने गोलियां चला दीं। फायरिंग में शिवा को एक गोली कमर और कंधे के बीच लगी, जो आगे की तरफ सीने में जाकर फंस गई। वह सड़क पर गिर पड़े। आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और उन्हें चौराहे के पास निजी ट्रॉमा सेंटर ले गए।

मथुरा में पत्नी के भाइयों ने युवक को पीटा

मथुरा। मथुरा के थाना जैंत क्षेत्र में कोर्ट मैरिज से नाराज महिला के मायके वालों ने उसके पति की जमकर पिटाई कर दी। सोमवार को हुई इस घटना में घायल युवक और उसके भाई को इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां बुधवार को इलाज के दौरान महिला के पति की मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

2.10 करोड़ रुपए होंगे खर्च, संदिग्ध गतिविधियों पर भी रखी जाएगी नजर

ताजमहल के 500 मीटर दायरे में लगेंगे 90 सीसीटीवी कैमरे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। विश्व धरोहर ताजमहल की सुरक्षा अब और ज्यादा पुख्ता होने जा रही है। ताजमहल के 500 मीटर के दायरे में 90 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे यलो जोन के चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा सकेगी। नए कैमरे लगने से न सिर्फ स्मारक की सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि पर्यटकों के साथ ठगी करने वाले लपकों और दलालों पर भी नियंत्रण किया जा सकेगा। इसी कमी को दूर करने के लिए पथकर सलाहकार समिति की बैठक में पुलिस ने यलो जोन में 90 नए सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव रखा था। प्रस्ताव को समिति ने स्वीकृत कर दिया है।

पुलिस के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

ताजगंज प्रोजेक्ट के तहत वर्ष 2016 में यलो जोन में सीसीटीवी कैमरे लगाते हुए कंट्रोल रूम बनाया गया था। इसके बाद यहां स्मार्ट पोल भी लगाए गए, जिनमें पब्लिक एड्रेस सिस्टम के साथ सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, लेकिन मौजूदा कैमरों से पूरे क्षेत्र पर नजर रखना संभव नहीं हो पा रहा है। कई ब्लाइंड स्पॉट बने हुए हैं।

> दरअसल, ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था दो जोन में बंटी हुई है। रेड जोन यानी स्मारक परिसर के अंदर की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) संभालती है, जबकि यलो जोन यानी ताजमहल की 500 मीटर की परिधि में सुरक्षा की जिम्मेदारी आगरा पुलिस और पीएसी के पास है।

कंट्रोल रूम से पूरे इलाके पर नजर

अधिकारियों के अनुसार, नए कैमरों के लगने के बाद 500 मीटर के पूरे क्षेत्र में निगरानी और सख्त हो जाएगी। कंट्रोल रूम से हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा सकेगी। बीते कुछ दिनों में पर्यटन पुलिस ने ताजमहल के आसपास पर्यटकों को परेशान करने वाले लपकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की है। नए सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद यलो जोन में उनकी हर हरकत पर नजर रखना और सबूत जुटाना आसान हो जाएगा, जिससे पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सकेगा।

लिस भर्ती दौड़ और एसएससी सीजीएल की तिथियां टकराईं

एक ही अभ्यर्थी के सामने दो परीक्षाओं में से एक छोड़ने का संकट

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । यूपी पुलिस भर्ती की दौड़ परीक्षा और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) परीक्षा की तिथियों में टकराव से दोनों परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की चिंता बढ़ गई है।

एसएससी सीजीएल परीक्षा 30 सितंबर से 30 अक्टूबर तक प्रस्तावित है, जबकि यूपी पुलिस भर्ती की दौड़ प्रक्रिया 28 सितंबर से चार अक्टूबर तक निर्धारित है।

दोनों भर्तियों के लिए आवेदन करने वाले कई अभ्यर्थियों के सामने अब एक परीक्षा से वंचित होने की स्थिति बन रही है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने दोनों परीक्षाओं की तैयारी के लिए महीनों मेहनत की है और आवेदन शुल्क भी जमा किया है।

ऐसे में तिथियों के टकराव से उनकी मेहनत और परीक्षा का अवसर प्रभावित हो सकता है।

अभ्यर्थियों के अनुसार, कुछ अभ्यर्थियों को 30 सितंबर की सीजीएल परीक्षा तिथि मिली है। इसी अवधि में यूपी पुलिस भर्ती की दौड़ प्रक्रिया भी जारी रहेगी। अभ्यर्थियों ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री से भी मामले में हस्तक्षेप कर परीक्षा तिथियों के टकराव का समाधान कराने की मांग की है।

यदि किसी अभ्यर्थी की दौड़ और सीजीएल परीक्षा एक ही दिन पड़ती है तो उसके सामने किसी एक परीक्षा को छोड़ने के अलावा विकल्प नहीं रहेगा।

परीक्षार्थियों ने शासन और प्रशासन से दोनों परीक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय कर तिथियों के टकराव की समस्या दूर करने की मांग की है।

उनका कहना है कि यदि संभव हो तो पुलिस भर्ती की दौड़ प्रक्रिया की तिथि में बदलाव अथवा सीजीएल परीक्षा की तिथियों में आवश्यक समायोजन किया जाए, ताकि दोनों परीक्षाओं के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी किसी एक अवसर से वंचित न हों। अभ्यर्थियों ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री से भी मामले में हस्तक्षेप कर परीक्षा तिथियों के टकराव का समाधान कराने की मांग की है। उनका कहना है कि परीक्षा एजेंसियों के स्तर पर समन्वय से प्रभावित अभ्यर्थियों को राहत मिल सकती है।

प्रेम विवाह के विवाद में युवक की मौत, सात गिरफ्तार

कोर्ट मैरिज से दोनों परिवारों में चल रहा था विवाद, भाई भी घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जैत थाना क्षेत्र में प्रेम विवाह को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद में युवक की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार थाना जमुनापार क्षेत्र के गोसना निवासी बंटी ने मई 2026 में जैत थाना क्षेत्र के कुंज नगर निवासी संजना से कोर्ट मैरिज की थी। शादी के बाद दोनों परिवारों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, इसी विवाद के चलते 21 सितंबर को संजना के भाई महेंद्र समेत अन्य लोगों ने बंटी और उसके भाई शंकर के साथ मारपीट की। घटना की सूचना मिलते ही जैत थाने में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया। 22 सितंबर को मारपीट में घायल बंटी की मौत की

जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमे में हत्या की धाराएं बढ़ा दीं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी महेंद्र समेत कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, बंटी के भाई शंकर को भी चोटें आई हैं। पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड की प्रक्रिया की जा रही है। क्षेत्राधिकारी वृंदावन संदीप सिंह ने बताया कि मामले में विधि सम्मत कार्रवाई प्रचलित है।

ब्राजील के पर्यटक समेत 2 को काटा, 2 महीने में विदेशी-बच्चों समेत कई पर हमला

ताजमहल पर नहीं रुक रहा बंदरों का आतंक

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के ताजमहल में पर्यटकों पर बंदरों के हमले का सिलसिला थम नहीं रहा है। बुधवार सुबह ब्राजील से आए 83 वर्षीय पर्यटक एंथनी पेन और पश्चिम बंगाल के एक पर्यटक को बंदरों ने काट लिया। दोनों घटनाएं सुबह करीब 8 बजे की हैं। घायलों को ताजमहल के पास डिस्पेंसरी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया। पिछले दो महीनों में विदेशी पर्यटकों, महिलाओं और बच्चों समेत कई लोगों पर बंदर हमला कर चुके हैं। लगातार घटनाओं के बावजूद बंदरों से निपटने का स्थायी समाधान नहीं होने से पर्यटकों की सुरक्षा पर

सवाल उठ रहे हैं। 3 सितंबर को दिल्ली की पर्यटक दीपिका गोयल को मस्जिद के पास बंदर ने पीछे से हमला कर हाथ में काट लिया। एएसआई और सीआईएसएफ कर्मियों ने उन्हें डिस्पेंसरी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया। 16 सितंबर को ब्रिटिश पर्यटक सुजैन एन बरेट को रॉयल गेट के पास बंदर ने हाथ में काट लिया। उन्हें भी प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजा गया।

जुलाई में कोरियाई पर्यटक को काटा

26 जुलाई को दक्षिण कोरिया की पर्यटक किम मिहे को ताजमहल के पूर्वी गेट के पास बंदर ने हाथ में काट लिया था। हमले में उनके हाथ से खून निकलने लगा था। उन्हें ताजमहल के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार दिया गया। इसके बाद अस्पताल भेजने के लिए एंबुलेंस बुलाई गई, लेकिन उसके पहुंचने में देरी हुई। बाद में उन्हें बैटरी कार से अस्पताल भेजा गया। मामले में एएसआई ने एंबुलेंस की व्यवस्था को लेकर सीएमओ को पत्र भी लिखा था।

अगस्त में भी जारी रहा बंदरों का हमला

12 अगस्त को कर्नाटक से आए मोहम्मद अली को ताजमहल के पश्चिमी गेट के पास बंदर ने पैर में काट लिया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल भेजा गया। इसके बाद अगस्त के आखिरी दिनों में भी घटना सामने आई। 30 अगस्त को हरियाणा से आए छह वर्षीय अयांश को मेहमानखाने के पास बंदर ने हाथ में काट लिया। बच्चे को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

बरियावन की काली ...

20 सितंबर की रात बरियावन में 11 मकान-दुकानें गिराए जाने के मामले में मंगलवार को अकबरपुर के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, हल्का प्रभारी अजय कुमार, हेड कांस्टेबल संतोष कुमार पांडेय, कांस्टेबल उपेंद्र यादव और लेखपाल रोहित लाल पर निलंबन की कार्रवाई हुई थी। पुलिस के मुताबिक संबंधित पुलिसकर्मियों ने घटना की जानकारी होने से इन्कार किया था। इसे कर्तव्य में लापरवाही और प्रभावी पर्यवेक्षण की कमी से जोड़ा गया।

यहीं से चर्चा ने नया मोड़ लिया। लोगों के बीच सवाल उठने लगा कि जब थाना और हल्का स्तर के जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो गई तो सिटी सर्किल की निगरानी करने वाले अधिकारी पर फैसला क्यों नहीं हुआ। कुछ लोग सीओ सिटी की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाने लगे थे। हालांकि मंगलवार तक उनकी किसी भूमिका की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। मामले से जुड़े कथित ऑडियो और वीडियो भी सामने आए हैं। कथित ऑडियो में तीन जेसीबी और तीन लाख रुपये के लेनदेन का जिक्र होने का दावा किया गया है। एक वीडियो में कुछ लोगों के हाथों में लाठी-डंडे दिखाई देने की बात कही जा रही है। इन ऑडियो-वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जांच में पुलिस ने यह भी देखा कि जेसीबी किसने उपलब्ध कराई, उन्हें मौके तक कौन लेकर गया और ध्वस्तीकरण की योजना किस स्तर पर बनी।

मंगलवार को जब पांच लोगों पर कार्रवाई हुई और सीओ सिटी का नाम कार्रवाई से बाहर रहा, तब स्थानीय स्तर पर यह चर्चा थी कि इतने बड़े घटनाक्रम में पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी वाले अधिकारी को क्यों नहीं हटाया गया। कुछ लोगों ने तो यहां तक सवाल उठाए कि आखिर सीओ को क्यों बख्शा गया। अब बुधवार को सीओ सिटी को पुलिस कार्यालय से संबद्ध किए जाने के बाद कार्रवाई का दायरा ऊपर तक पहुंच गया है। लेकिन सीओ सिटी की घटना में कोई प्रत्यक्ष भूमिका थी या नहीं, यह जांच का विषय है। बरियावन की कहानी में अब कई सवाल एक साथ खड़े हैं—रात में तीन जेसीबी कैसे पहुंचीं? इतनी बड़ी कार्रवाई करीब एक घंटे तक चली तो पुलिस को समय रहते जानकारी क्यों नहीं हुई? जमीन तक रास्ता बनाने के लिए ध्वस्तीकरण कराने का फैसला किसने लिया? और इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी किस-किस स्तर तक थी? जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, बरियावन की रात का यह रहस्य भी खुलता जाएगा कि तीन जेसीबी के पीछे आखिर पूरी कहानी क्या थी।

आला अधिकारियों ...

पुलिस प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, अजीत वर्मा और इन्द्रजीत वर्मा ने दुकानों को गिराने के लिए राहुल चौधरी समेत अन्य लोगों को धनराशि उपलब्ध कराई थी। इसके बाद लोगों को बुलाकर दुकानों को गिराया गया।

मामले में पुलिस ने इन्द्रजीत पुत्र रामअजनुज वर्मा और राहुल चौधरी को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार घटना में प्रयुक्त तीनों जेसीबी मशीनों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

पुलिस की कार्रवाई में जेसीबी की बरामदगी के बाद अब जांच का अगला महत्वपूर्ण बिंदु जेसीबी के मालिकों, संचालकों और घटना में उनकी भूमिका को लेकर है।

किसी घटना में किसी अधिकारी का केवल तबादला उसके लिए दंड नहीं माना जाता है। अगर इस घटना में सीओ अकबरपुर की जिम्मेदारी बनती है, तो उन्हें भी निलंबित कर उनके खिलाफ जांच और आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

एसआईआर पर चुनाव ...

कुछ आपत्तियां उन उप चुनाव आयुक्तों को भी भेजी गईं, जो संबंधित काम की निगरानी कर रहे थे। यह विवाद बिहार से जून 2025 में शुरू हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बीच सामने आया है। SIR के तहत 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। राहुल गांधी- मैं इलेक्शन कमीशन और इलेक्शन ऑफिसर्स को साफ कह रहा हूं कि आप जो कर रहे हो गलत कर रहे हो। ये राजद्रोह है, देश के खिलाफ है। टाइम आएगा। हम आपको पकड़ेंगे। बचने वाले नहीं हो। सपा प्रमुख अखिलेश यादव- सभी चुनाव आयुक्त अपना सही काम नहीं कर पा रहे हैं। एक स्वतंत्र निकाय के सदस्यों को अगर न्यायपूर्ण कार्य करने की स्वतंत्रता नहीं है या उनकी कोई सुनवाई नहीं है तो ये लोकतंत्र के लिए बेहद घातक और खतरनाक हालात हैं।

यूपी में सरकारी 'भारत ...

सहकारिता हमारी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन, सहकारिता की कमान किन लोगों के हाथों में है, सफलता इस बात पर निर्भर करती है। अगर नकारात्मक और भ्रष्ट हाथों में अस्त्र-शस्त्र दे देंगे तो वे विध्वंस ही करेंगे। यदि शक्ति सकारात्मक सोच वाले लोगों के हाथ में देंगे तो समाज और राष्ट्र की सुरक्षा मजबूत होगी। सहकारिता दोधारी तलवार है- एक अच्छा और एक बुरा पक्ष। अच्छी लीडरशिप हो तो सहकारिता तरक्की का कारण बनती है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- पहले सहकारिता विभाग बीमारू हो गया था, इसमें कितना ही पैसा लगाओ, घाटे में ही रहता था। अब सीएम योगी और सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने फायदेमंद बना दिया है। सपा सरकार में कट्टा संस्कृति थी, जेब में कट्टा रखकर कमाते थे, अब कलम संस्कृति है, कलम से लोग कमा रहे है।

पीएम मोदी की क्लास ...

और अंतिम नवंबर में हुआ। हर सत्र करीब 5 घंटे चला। इसमें मंत्रियों के कामकाज, कार्यकुशलता, समय और संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल, योजनाओं की निगरानी और शासन सुधार पर चर्चा हुई थी। इसके बाद नवंबर 2021 में 77 मंत्रियों को आठ समूहों में बांटकर अलग-अलग प्रशासनिक विषयों पर काम आगे बढ़ाने की कवायद भी हुई। पीएम मोदी ने पहली बार 76वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2022) पर लाल किला से विकसित भारत 2047 की बात की थी। उन्होंने अगले 25 सालों में भारत को पूरी तरह से विकसित देश बनाने का संकल्प लिया था। इससे पहले 2021 में वरिष्ठ अधिकारियों की 10 टीमें बनाई गई थीं।

चुनाव आयुक्तों ...

अब CJI तय करेंगे कि इस मामले की सुनवाई के लिए बड़ी बेंच बनाई जाए या नहीं। बेंच ने बड़े संवैधानिक मामलों की सुनवाई के लिए स्थायी 5 जजों की संविधान बेंच बनाने की संभावना तलाशने का भी अनुरोध किया है। कानून के मुताबिक समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री की ओर से नामित एक केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष शामिल होते हैं। नेता प्रतिपक्ष नहीं होने पर लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को मेंबर बनाया जाता है। जस्टिस दत्ता ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं की यह दलील पहली नजर में कुछ आधार रखती है कि 2023 का कानून नियुक्ति की प्रक्रिया में कार्यपालिका को ज्यादा ताकत देता है। इससे संविधान के अनुच्छेद 324 और संविधान की मूल संरचना में चुनाव आयोग की स्वतंत्रता से जुड़े सवाल उठते हैं। हालांकि उन्होंने इन सवालों पर कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया।

8 यूडीपी विधायक ...

बीजेपी में शामिल होने वाले विधायकों में लहकमन रिंबुई, पियस मारवीन, किर्मेन शायला, मायरेलबार्न सिएम, मैथ्यू कुर्बाह, ओलान सिंह सुइन, बालाजिएड कुफर सिनरेम और सिनशर कुफर रॉय शामिल हैं। किरेन रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर और मेघालय में हो रही प्रगति को देखते हुए पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। UDP के पूर्व विधायक जेमिनो मावथोह ने 12 सितंबर को भाजपा जॉइन कर ली थी। इसके बाद से अटकलें लगाई जा रही थीं।

सेंटनर की कप्तानी में 16 खिलाड़ी

भारत के खिलाफ टी 20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित

घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 5 मैचों की T20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। मिचेल सेंटनर टीम की कप्तानी करेंगे। तेज गेंदबाज एडम मिल्ने की एक साल से ज्यादा समय बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। वहीं, कंधे की चोट के कारण रचिन रवींद्र T20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड ने टीम में 7 तेज गेंदबाजों को जगह दी है।

यह सीरीज भारत के न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा है। दोनों टीमों के बीच पहला टी-20 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जाएगा। 5 मैचों की सीरीज 11 दिन में 4 शहरों में होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 5 वनडे और 2 टेस्ट भी खेले जाएंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, इस साल की शुरुआत में भारत से टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल हारकर रनर-अप रही टीम के 13 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। चोट के कारण वर्ल्ड कप नहीं खेल सके माइकल ब्रेसवेल और एडम मिल्ने की वापसी हुई है।

फिन एलेन और टिम सीफर्ट T20 वर्ल्ड कप के बाद पहली बार न्यूजीलैंड के लिए पारी की शुरुआत कर सकते हैं। वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एलेन ने 33 गेंदों पर नाबाद शतक लगाया था। सीफर्ट ने 33 गेंदों पर 58 रन बनाए थे।

सीफर्ट ने हाल ही में 'द हंड्रेड' में 168 के स्ट्राइक रेट से 394 रन बनाए। उन्हें टूर्नामेंट का प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, भारत के 12 मैचों के दौरे को लेकर फैंस में काफी रुचि है। पहले T20 के करीब एक महीने पहले ही सीरीज के 76 हजार से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं।

न्यूजीलैंड का T20I स्क्वॉड

मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, बेवोन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नेथन स्मिथ।

कंधे की चोट के कारण रचिन बाहर

रचिन रवींद्र दाएं कंधे की चोट के कारण T20 सीरीज नहीं खेलेंगे। पिछले हफ्ते एक प्रमोशनल शूट के दौरान उनका कंधा डिस्लोकेट हो गया था। उनके रिहैबिलिटेशन में करीब 6 हफ्ते लगने की संभावना है।

रचिन 4 नवंबर से ऑकलैंड के ईडन पार्क में शुरू होने वाली वनडे सीरीज से वापसी का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। तेज गेंदबाज बेन सीअर्स भी टखने की चोट से उबर रहे हैं। इसलिए उन्हें टीम में जगह नहीं मिली।

एक साल बाद लौटे मिल्ने

34 साल के मिल्ने ने आखिरी इंटरनेशनल मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ खेला था। उनके पास 243 T20 मैचों का अनुभव है, जिसमें 56 इंटरनेशनल मुकाबले शामिल हैं।

मिल्ने के साथ लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन और जैकब डफी जैसे अनुभवी पेसर टीम में हैं। जैक फॉल्क्स और नेथन स्मिथ को भी स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

दिल्ली से उत्तर प्रदेश लीग तक मैच फिक्सिंग की आहट

डीडीसीए ने मांगा बीसीसीआई से मार्गदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यों में शुरू हुई लीग में भी फिक्सिंग की गूंज सुनाई दे रही है। जहां दिल्ली क्रिकेट लीग (डीपीएल) में फिक्सिंग के आरोपों से तहलका मच गया है तो वहीं उत्तर प्रदेश टी-20 लीग में भी एक खिलाड़ी की शिकायत एंटी करप्शन यूनिट ने दी थी जिसके बाद उसे इस साल खत्म हुई लीग से पहले ही निकाल दिया गया था।

डीपीएल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स के खिलाड़ी की ओर से फिक्सिंग की पेशकश की शिकायत और पूर्व रणजी खिलाड़ी रचित भाटिया के स्टिंग आपरेशन में किए गए दावों ने डीडीसीए की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मामले में डीडीसीए ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से मार्गदर्शन मांगा है। हालांकि, डीडीसीए ने स्पष्ट किया है कि स्टिंग में लगाए गए आरोप अभी सत्यापित नहीं हैं और किसी खिलाड़ी या फ्रेंचाइजी को दोषी नहीं माना जा सकता। वहीं उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एंटी करप्शन यूनिट ने मेरठ मेवरिक्स के खिलाड़ी ऋतिक वत्स को लेकर शिकायत की थी। इस कारण से वत्स को इस साल लीग शुरू होने से पहले ही बाहर कर दिया गया था। ऋतिक कई साल तक मेरठ टीम के सदस्य रहे हैं। उन्होंने 14 सितंबर 2024 को मेरठ मेवरिक्स के लिए आखिरी मैच खेला था। यूपीसीए के एक अधिकारी ने कहा कि हमने बीसीसीआई के एंटी करप्शन के अधिकारियों को लीग में लगाया है।

कुमार कुशाग्र का ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ शतक पडिक्कल आउट

रिटायर्ड हर्ट से वापसी के बाद सेंचुरी पूरी की, तनुष की फिफ्टी

लंदन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र ने 113 रन की पारी खेली। पहले दिन रिटायर हर्ट होकर मैदान से बाहर जाने के बाद उन्होंने दूसरे दिन वापसी की और 202 गेंदों पर शतक पूरा किया।

उनके अलावा तनुष कोटियान ने 69 और साई सुदर्शन ने 57 रन बनाए। कप्तान देवदत्त पडिक्कल 14 गेंदों पर 3 रन बनाकर आउट हुए। इंडिया-ए की टीम पहली पारी में 334 रन पर ऑलआउट हो गई।

कुमार कुशाग्र ने भारत को अच्छी स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने छठे विकेट के लिए तनुष कोटियान के साथ 266 गेंदों पर 138 रन की साझेदारी की।

तनुष कोटियान ने अर्धशतक लगाया, लेकिन उसे शतक में नहीं बदल सके। उन्होंने एक छक्का और 4 चौकों की मदद से 68 रन बनाए।

भारत की पहली पारी में ओपनर साई सुदर्शन ने 3 चौकों की मदद से 57 रन बनाए। अमन मोखाड़े 6 रन बनाकर आउट हुए।

शेख रसीद का बल्ला भी नहीं चला। वह 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए।

कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने निराश किया। वह काफी अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं, लेकिन पहली पारी में सिर्फ 3 रन बना सके।

भारत ए को 'त्रिमूर्ति' के अर्धशतकों ने शुरुआती झटको से उबारा

पुडुचेरी। टेस्ट बल्लेबाज साई सुदर्शन, कुमार कुशाग्र और तनुष कोटियन ने शानदार अर्धशतक के दम पर शुरुआती झटकों के बावजूद भारत-ए ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया ए के विरुद्ध चार दिन के पहले मैच के शुरुआती दिन पांच विकेट पर 257 रन का संतोषजनक स्कोर बनाया। कोटियन (68 नाबाद) और कुशाग्र (82) ने छठे विकेट के लिए 138 रन जोड़े। दिन का खेल खत्म होने तक कोटियन और शम्स मुलानी (10) क्रीज पर डटे हुए थे।

सुदर्शन ने भी एक महीने से ज्यादा समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद 103 गेंदों में 57 रन बनाकर अपनी वापसी को यादगार बनाया, लेकिन मेजबान टीम दूसरे सत्र में 97 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में थी, तभी कोटियन और कुशाग्र ने टीम को संभाला। शानदार फॉर्म में चल रहे कुशाग्र ने ऑस्ट्रेलिया-ए के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण में शामिल ब्रेंडन डॉगेट और टॉड मर्फी का डटकर सामना किया।

एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीता, बोलीं- इससे बराबरी का मौका मिला

आयुष्मान खुराना ने शूटर मेघना सज्जनार को गिफ्ट की राइफल

- वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी 2 ब्रॉन्ज
- बेहतर इक्विपमेंट की कमी बनी थी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने भारतीय शूटर मेघना सज्जनार को मॉडर्न राइफल स्पॉन्सर की है। बेहतर इक्विपमेंट की कमी से जूझ रहीं मेघना को आयुष्मान की मदद से वर्ल्ड क्लास राइफल से ट्रेनिंग का मौका मिला। इसके बाद मेघना ने हाल ही में दिल्ली की कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में हुई एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में गोल्ड और इंडिविजुअल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। मेघना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। उन्होंने 2022 और 2025 की ISSF वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। एशियन चैंपियनशिप में भी उन्होंने टीम इवेंट में गोल्ड और व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। मेघना के पास ट्रेनिंग के लिए बेहतर इक्विपमेंट नहीं था।

आयुष्मान को उनकी परेशानी की जानकारी मिली तो उन्होंने व्यक्तिगत पहचान के बिना उनकी मदद की। राइफल मिलने से मेघना को बेहतर इक्विपमेंट के साथ तैयारी करने का मौका मिला।

मेघना ने कहा कि राइफल ने उनके लिए 'बराबरी का मैदान' तैयार किया। इससे वह बिना समझौते के ट्रेनिंग कर सकीं और दुनिया के बेहतरीन शूटर्स का सामना कर पाईं।

'उन्होंने मुझे जाना तक नहीं, सिर्फ भारत को जीतते देखना चाहते थे'

मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि आयुष्मान उन्हें पहले से नहीं जानते थे और दोनों की कभी मुलाकात भी नहीं हुई थी। उन्होंने लिखा कि आयुष्मान सिर्फ इतना चाहते थे कि कोई भारतीय एथलीट दुनिया के बड़े मंच पर देश का नाम रोशन करे।

मनोरंजन

ट्रोलिंग वाले बयान पर बोले- जिंदगी में इतने पॉजिटिव काम हैं, तो नेगेटिव चीजों में क्यों पड़ें

सलमान के बयान पर विवेक का रिएक्शन

नई दिल्ली। विवेक ओबेरॉय ने सोशल मीडिया ट्रोलिंग को एक नेगेटिव एक्टिविटी बताया और लोगों से इससे बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि ट्रोलिंग के बजाय लोगों को पॉजिटिव एक्टिविटी पर फोकस करना चाहिए। दरअसल, बॉलीवुड क्रॉनिकल के साथ बातचीत के दौरान विवेक ओबेरॉय से पूछा गया कि सलमान खान ने ट्रोलिंग को लेकर बयान दिया है, इस पर आपका क्या कहना है? इसके जवाब में विवेक ने कहा, "मुझे लगता है कि ट्रोलिंग नहीं करनी चाहिए। ट्रोलिंग एक नेगेटिव चीज है। जिंदगी में करने के लिए इतने पॉजिटिव काम हैं, तो नेगेटिव चीजों में क्यों पड़े हो?" गौरतलब है कि सलमान खान और विवेक ओबेरॉय के बीच विवाद बॉलीवुड के सबसे चर्चित विवादों में गिना जाता है। दोनों के बीच तनाव की शुरुआत ऐश्वर्या राय से जुड़े रिश्ते को लेकर हुई थी। 2003 में विवेक ओबेरॉय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सलमान खान पर फोन करके धमकाने और परेशान करने के आरोप लगाए।

ऋचा चड्ढा ने सलमान खान के बयान की तारीफ की

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने सलमान खान के इस रुख की तारीफ की है। न्यूज18 से बातचीत में ऋचा ने कहा कि उन्हें पहले सलमान के बयान के बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन इसके बारे में जानकर उन्हें अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि ऐसी बात कहना एक बड़ी और उदार सोच को दिखाता है और लोगों को ट्रोलिंग पर ध्यान नहीं देना चाहिए। ऋचा ने उन पुरुषों पर भी सवाल उठाया जो महिलाओं के शरीर और उनके लुक्स को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष महिलाओं के बिना अस्तित्व में नहीं आ सकते, क्योंकि हर व्यक्ति मां की कोख से जन्म लेता है। उनके मुताबिक, अगर कोई मांओं का मजाक उड़ाता है, तो उसका असर उल्टा पड़ सकता है।

सलमान खान ने ट्रोलिंग पर नाराजगी जताई

सलमान खान ने हाल ही में टीवी शो 'बिग बॉस 20' में सोशल मीडिया ट्रोलिंग, बॉडी-शेमिंग और एज-शेमिंग पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा था कि सोशल मीडिया आज गेमिंग, कंटेंट क्रिएशन और वीडियो एडिटिंग जैसे क्षेत्रों में रोजगार और पहचान का जरिया बन चुका है, लेकिन इसका एक नकारात्मक पहलू ट्रोलिंग भी है। सलमान ने सवाल उठाया था कि किसी दूसरे व्यक्ति को अपमानित करके पैसा कमाने की जरूरत क्यों पड़ती है। उन्होंने कहा कि लोग सोशल मीडिया पर किसी के शरीर, वजन, लुक्स, परिवार, उम्र, मुस्कान, करियर या निजी जिंदगी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते हैं। उन्होंने ट्रोलर्स से पूछा था कि जिस व्यक्ति को वे गाली दे रहे हैं, वे नहीं जानते कि वह निजी तौर पर किन परिस्थितियों से गुजर रहा है।

कुछ देर पहले पत्नी सुनीता अकेले पहुंची थीं, अनन्या पांडे ने पिता के साथ किए दर्शन

गोविंदा रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी संग लालबागचा राजा पहुंचे

नई दिल्ली। गोविंदा मंगलवार शाम रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी स्वर्णकार के साथ मुंबई के लालबागचा राजा पहुंचे। दोनों ने बप्पा के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। दोनों के अफेयर के रूमर्स फिर तेज हो चुके हैं, क्योंकि गोविंदा और रानी से कुछ देर पहले ही सुनीता आहूजा अकेले दर्शन करने पहुंची थीं। जबकि पिछले साल तक गोविंदा-सुनीता साथ गणेशोत्सव सेलिब्रेट करते आए हैं। दर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। गोविंदा और कोमल रानी ने पंडाल में प्रसाद चढ़ाया। दोनों ने पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। पुजारी ने दोनों के माथे पर तिलक लगाया। दर्शन के बाद गोविंदा ने बाहर मौजूद फैंस से हाथ हिलाकर मुलाकात की।

गोविंदा और रानी स्वर्णकर से कुछ समय पहले ही सुनीता आहूजा भी लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंची थीं। सुनीता अकेले ही अपनी सिक्योरिटी टीम के साथ पहुंची थीं। वहीं दूसरी तरफ मैनेजर ने सुनीता के इस रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि वो परिवार का तमाशा बना रही हैं। एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में मैनेजर शशि सिन्हा ने कहा, "अदालत जाने की कोई जरूरत नहीं थी। घर की बातें घर में रहकर, बैठकर बात करके सुलझ सकती हैं। जब आज याचिका वापस ही लेनी थी, तो फिर केस किया ही क्यों था? मुझे इस बात का बहुत दुख है कि बिना वजह हम सब तमाशा बन गए।"मैनेजर ने बताया कि दोनों के बीच का विवाद पिछले लगभग डेढ़ से दो साल से मीडिया में चल रहा था।

सुनीता का दावा- कोमल रानी से शादी करने वाले थे गोविंदा

सुनीता आहूजा ने दिसंबर 2025 में गोविंदा से तलाक की अर्जी दाखिल की थी, हालांकि 19 अगस्त को उन्होंने अर्जी वापस ले ली है। इस दौरान राखी सावंत से कॉल पर बात करते हुए सुनीता ने दावा किया है कि तलाक के बाद गोविंदा कोमल से शादी करने वाले थे, यही वजह है कि उन्होंने तलाक का केस वापस ले लिया है। सुनीता आहूजा 19 अगस्त को मुंबई के बांद्रा फैमिली कोर्ट पहुंचीं। बेटे यशवर्धन भी उनके साथ थे। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने संवाददाता से बातचीत में कन्फर्म किया कि सुनीता ने तलाक का केस वापस ले लिया है, जो उन्होंने दिसंबर 2024 में दायर किया था।

ट्रेंडिंग चार्ट में छा गया हिमेश रेशमिया का लेटेस्ट गाना

श्रेया घोषाल की आवाज का जादू, करोड़ों में व्यूज

नई दिल्ली, एजेंसी

यूट्यूब पर हिमेश रेशमिया (Himesh Reshammiya) का एक गाना आया जिसने आते ही म्यूजिक ट्रेंडिंग चार्ट में धमाका कर दिया। यह गाना जब से आया है, तभी से वायरल हो रहा है। दो दिन में ही गाने को करोड़ों लोगों ने सुन लिया है।

हिमेश रेशमिया का ये गाना 'गनमास्टर जी9' (Gunmaaster G9) का नहीं, बल्कि सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' (Yeh Prem Mol Liya) का है।

हाल ही में, फैमिली ड्रामा 'ये प्रेम मोल लिया' (Yeh Prem Mol Liya Title Track) का टाइटल ट्रैक रिलीज किया गया। यह एक

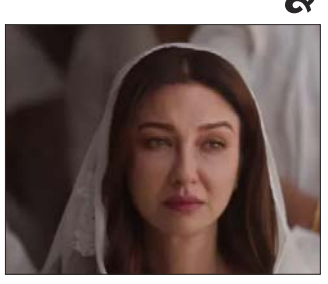

सूदिंग रोमांटिक सॉन्ग है जिसे शरवरी और आयुष्मान खुराना पर फिल्माया गया। फिल्म का टाइटल ट्रैक हिमेश रेशमिया ने बनाया है। उन्होंने ही गाने की धुन तैयार की है। वहीं, गाने के बोल कुमार (Kumaar) ने लिखे हैं जो 'बेबी डॉल', 'रुला के गया इश्क' और 'तू भी रोएगा' जैसे गाने लिख चुके हैं। इस गाने को श्रेया घोषाल (Shreya Ghoshal) और निहाल तौरो ने आवाज दी है। दोनों की आवाज में यह गाना दिल को सुकून पहुंचाता है। यूं तो यह गाना 20 सितंबर को ही रिलीज कर दिया गया था, लेकिन इसकी दीवानगी अब भी खत्म नहीं हो रही है। यह गाना इस वक्त यूट्यूब के म्यूजिक ट्रेंडिंग चार्ट में नंबर 27 पर ट्रेंड कर रहा है। इसे 2 करोड़ से ज्यादा सुना जा चुका है और हर मिनट नंबर्स बढ़ रहे हैं। सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' एक फैमिली ड्रामा हैं, जिसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा फिल्म में अनुपम खेर, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन, शाद रंधावा जैसे स्टार्स मुख्य भूमिकाओं में हैं।

एर्दोगन बोल रहे थे, अल-शरा फोन में रील्स स्क्रॉल कर रहे थे अल-शरा इस साल दूसरी बार यूएन महासभा में शामिल हुए

यूएन में भाषण के दौरान इंस्टाग्राम चलाते दिखे सीरियाई राष्ट्रपति

भाषण

न्यूयॉर्क, एजेंसी

सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में भाषण के दौरान फोन चलाते दिखे। वीडियो में वे फोन पर इंस्टाग्राम रील्स स्क्रॉल करते और उन्हें शेयर करते नजर आए। इस दौरान तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन भाषण दे रहे हैं। अल शरा के इंस्टाग्राम चलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। अल-शरा इस साल दूसरी बार UN महासभा में शामिल हुए हैं। 2025 में वे करीब 60 साल बाद UNGA में दुनिया के नेताओं को संबोधित करने वाले सीरिया के पहले प्रतिनिधि बने थे।

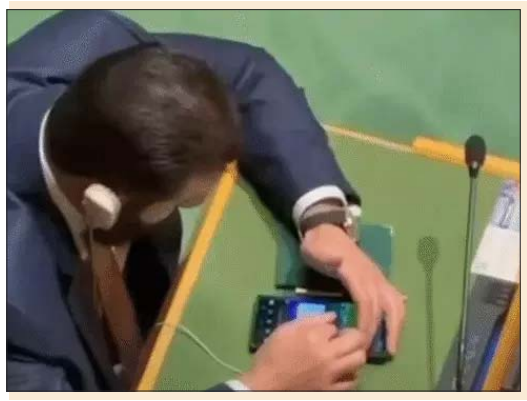

अल-शरा का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा- "राजनीतिक भाषण कभी-कभी बोरिंग हो सकते हैं। सीरियाई राष्ट्रपति यूएन महासभा के 81वें सत्र में इंस्टाग्राम स्क्रॉल करते दिखे।"

अहमद अल-शरा जनवरी 2025 में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ सैन्य विद्रोह कर उन्हें सत्ता से हटा दिया गया था। इसके अलावा इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के स्पीच के दौरान भी कई देशों के डेलिगेशन ने मास वॉकआउट किया। अहमद अल-शरा ने 2003 में मेडिकल की पढ़ाई छोड़ अल कायदा नेताओं के संपर्क में आए। उन्हें अमेरिकी सेना ने 2005 में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जेल से छूटने के बाद अल-शरा ने अल कायदा की सीरिया शाखा जबात अल-नुस्र का गठन किया। अलकायदा से जुड़े अल-शरा को अमेरिका ने 2013 में आतंकियों की सूची में डाला था। उन पर 10 मिलियन डॉलर यानी लगभग 84 करोड़ रुपए का इनाम था। 2016 में वह अल कायदा से अलग हो गए और हयात तहरीर अल-शाम (HTS) की स्थापना की। दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के पतन के बाद जुलानी ने सत्ता संभाली। इसके बाद दुनिया को उनके असली नाम का पता चला।

पूर्व ब्रिटिश पीएम जॉनसन फोन चलाते पकड़े गए थे

ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन भी 2016 में UN में फोन चलाते हुए नजर आए थे। उस वक्त वे ब्रिटेन के विदेश मंत्री हुआ करते थे। बोरिस जब फोन चला रहे थे, उसी दौरान तत्कालीन ब्रिटिश पीएम थेरेसा मे भाषण दे रही थीं। UN की लाइव कवरेज में कैमरा कई बार ब्रिटिश प्रतिनिधिमंडल की तरफ गया। हर बार जॉनसन हाथ में मोबाइल लिए दिखाई दिए और कभी-कभी ही भाषण की तरफ देखते नजर आए। द इंडिपेंडेंट के मुताबिक जॉनसन ने काफी समय फोन पर मैसेज भेजने में बिताया।

यूएन में ट्रम्प के भाषण के दौरान क्यूबा ने वॉकआउट किया

UNGA में भाषणों के दौरान प्रतिनिधिमंडलों का वॉकआउट भी देखने को मिला। ट्रम्प ने क्यूबा को फेल्ड स्टेट कहा तो क्यूबा का प्रतिनिधिमंडल हॉल से बाहर चला गया। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने ट्रम्प पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि क्यूबा को एक संप्रभु और स्वतंत्र देश होने का अधिकार है। तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन के भाषण के दौरान भी इजराइली प्रतिनिधिमंडल ने वॉकआउट किया। एर्दोगन ने अपने भाषण में गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई और नीतियों की आलोचना की।

'व्हाइट हाउस में आने-जाने की सुविधा विशेषाधिकार

ट्रंप द्वारा पत्रकारों पर बैन की डीओजे ने बताई वजह

वाशिंगटन, एजेंसी

ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी फेडरल कोर्ट में एक अहम कानूनी दलील पेश की और कहा, 'राष्ट्रपति के पास सुरक्षा कारणों से पत्रकारों को व्हाइट हाउस परिसर में आने से रोकने का संवैधानिक अधिकार है।' न्याय विभाग ने तर्क दिया कि व्हाइट हाउस में प्रवेश पाना पत्रकारों का अधिकारी नहीं बल्कि एक विशेषाधिकार है।

वाशिंगटन की अदालत में दाखिल आधिकारिक दस्तावेजों में न्याय विभाग ने प्रशासन के इस कदम का बचाव किया। उन्होंने दलील देते हुए कहा कि संविधान का फर्स्ट अमेंडमेंट प्रेस की स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह पत्रकारों को बिना अनुमति व्हाइट हाउस या संवेदनशील सरकारी परिसरों में प्रवेश करने का असीमित अधिकार नहीं देते है। राष्ट्रपति के पास गोपनीय जानकारी और राष्ट्रीय सुरक्षा की सुरक्षा की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। रिपोर्टिंग के नाम पर संवेदनशील जानकारियां लीक करने से सुरक्षा ढांचा प्रभावित होती है। प्रशासन का कहना है कि पत्रकारों का प्रवेश प्रतिबंधित करने के पीछे दो मुख्य कारण हैं पहला व्यावसायिकता के न्यूनतम मानकों को लागू करना और गोपनीय जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करना। व्हाइट हाउस प्रेस कार्यालय ने CNN, MS NOW और POLITICO को लिखे पत्रों में कहा कि राष्ट्रपति ने उनके हार्ड पास रद करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर व्यावसायिकता और शिष्टाचार के मानकों का उल्लंघन किया था।

फास्ट न्यूज

पाकिस्तान के कोहाट में हुए आत्मघाती धमाके में इस्तेमाल हुआ था 869 किलो विस्फोटक

पेशावर। पिछले हफ्ते पाकिस्तान के कोहाट जिले में हुए आत्मघाती धमाके में 870 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें 16 पुलिसकर्मियों समेत 21 लोगों की मौत हो गई थी। चरमपंथियों ने 18 सितंबर को जुमे की नमाज के दौरान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट में एक मस्जिद के पास विस्फोटक से लदी गाड़ी में धमाका किया और पास के पुलिस ठिकानों पर हमला बोला।

इधर ट्रंप करते रहे ईरान के साथ अच्छी बातचीत का दावा, उधर होर्मुज में हो गए धमाके

वॉशिंगटन। एक तरफ जहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के साथ पहली बार सीधी बातचीत की तो वहीं दूसरी तरफ ईरानी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में केशम द्वीप के पास धमाके की आवाज सुनी गई। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर लगभग सात महीने से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए जल्द ही कोई समझौता नहीं हुआ तो वे इस इस्लामिक देश को पूरी तरह खत्म कर देंगे।

जर्मनी में अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-16 क्रैश

बर्लिन। जर्मनी से एक बड़ी और हैरान करने वाली खबर सामने आ रही है। यहां पश्चिमी जर्मनी स्थित स्पैंगडाहलेम एयर बेस पर अमेरिका का एक अत्याधुनिक लड़ाकू विमान F-16 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा इतना भीषण था कि विमान जलकर पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया। हालांकि गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे में पायलट की जान बाल-बाल बच गई।

27 सितंबर को रविवार के दिन भी बैंक खुले रहेंगे

देशभर में 3 दिन की हड़ताल से पहले सरकार का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर में सभी बैंक इस हफ्ते रविवार को भी खुले रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने जानकारी दी है कि RBI ने 27 सितंबर को देश की सभी बैंक शाखाओं, दफ्तरों और एटीएम-लिंक ब्रांचों समेत सभी सर्विसेज को पूरी तरह चालू रखने की मंजूरी दी है।

यह कदम यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस यानी UFBU की 28 से 30 सितंबर 2026 तक प्रस्तावित तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए उठाया गया है। हड़ताल से ठीक पहले 26 सितंबर (शनिवार) और 27 सितंबर (रविवार) को वीकेंड की छुट्टियां पड़ रही थीं। ऐसे में लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सर्विसेज बाधित होने का खतरा बना हुआ था। सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि जनता की जरूरी बैंकिंग जरूरतों पर लंबे समय तक असर न पड़े, इसे सुनिश्चित करने के लिए सभी सरकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार, 27 सितंबर को सामान्य रूप से काम करेंगे।

रिजर्व बैंक ने सभी शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम-लिंक ब्रांचों और करेंसी चेस्ट्स को इस दिन पूरी तरह चालू रखने की मंजूरी दी है। सरकार ने कहा कि बैंक ग्राहकों को सुविधा देना हमारी प्राथमिकता है। सरकार और बैंक प्रबंधनों ने बैंक यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने की अपील की है।

ईरान की शर्त- अमेरिका दबाव घटाए तो होर्मुज खोलने तैयार, ट्रम्प बोले- फिर मिलेंगे

न्यूयॉर्क में अमेरिका-ईरान के बीच तीन घंटे बातचीत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

UN जनरल असेंबली के दौरान मंगलवार को न्यूयॉर्क में अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई।

इस बातचीत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल हुए। कतर के अधिकारियों ने इसकी मध्यस्थता की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया कि बातचीत अच्छी रही और दोनों पक्षों की जल्द ही एक और बैठक होगी।

ट्रम्प ने मंगलवार को UN में ईरान को धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अब दो रास्ते हैं, अमेरिका के साथ डील करे या फिर गंभीर सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार रहे। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान के साथ समझौता नहीं हुआ और संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका ईरान को तबाह कर सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के सामने शांति समझौते या दोबारा सैन्य कार्रवाई का विकल्प है।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अपनी ताकत के जरिए शांति कायम करना चाहता है। उन्होंने ईरान से बातचीत की मेज पर लौटने और होर्मुज को पूरी तरह खोलने की मांग भी की। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खोलने के लिए अपनी शर्तें अमेरिका के सामने रखी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने अमेरिकी अधिकारियों के सामने इन शर्तों को रखा।

द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका सैन्य और आर्थिक दबाव कम करने के लिए कदम उठाता है तो ईरान 7 दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है।

तस्वीर अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ (बाएं) और ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर (दाएं) की है। (फाइल फोटो)

विटकॉफ-अराघची नहीं मिले, मध्यस्थों के जरिए बातचीत हुई

अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बातचीत के बाद कहा कि उन्हें अच्छा महसूस हो रहा है। हालांकि, बाद में उन्होंने साफ किया कि उन्होंने ईरानी अधिकारियों से सीधे मुलाकात नहीं की। बातचीत में ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल रहे। विटकॉफ के मुताबिक, UN जनरल असेंबली के दौरान दोनों पक्षों के बीच बातचीत मध्यस्थों के जरिए हुई। मध्यस्थ पूरे दिन अमेरिका और ईरान के बीच संदेश लेकर आते-जाते रहे। उन्होंने बताया कि बातचीत का एक दौर पूरा हो चुका है और मध्यस्थ आगे भी दोनों पक्षों के बीच काम जारी रखेंगे।

लोग पानी-दवाइयों के लिए जूझ रहे, ट्रम्प के जंग खत्म होने के दावे पर सवाल उठाया

गाजा के हालात दुनिया के लिए शर्म की बात : मैक्रों

न्यूयॉर्क, एजेंसी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में शांति को लेकर किए जा रहे दावों पर सवाल उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में अपने भाषण में उन्होंने कहा कि गाजा की मौजूदा स्थिति पूरी दुनिया के लिए शर्म की बात है।

मैक्रों ने कहा कि वहां के लोग अब भी पानी, दवाइयों और राहत सामग्री के लिए जूझ रहे हैं, इसलिए सिर्फ शांति का दावा करने से हालात नहीं बदलते।

उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के कुछ घंटे बाद आई, जिसमें कहा गया था कि गाजा का युद्ध खत्म हो चुका है और उनकी 20 सूत्रीय शांति योजना सफल रही है। मैक्रों ने अपने भाषण में वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां लगभग हर दिन नई घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि वेस्ट बैंक की हर घटना के लिए हमास को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प।

मैक्रों बोले- फिलिस्तीन को सिर्फ मान्यता देने से बात नहीं बनेगी

मैक्रों ने कहा कि इसी UN महासभा में कई देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। उस समय भी कुछ लोगों ने कहा था कि सिर्फ मान्यता देने से जमीन पर हालात नहीं बदलेंगे।

उन्होंने कहा कि अगर आज भी गाजा के लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुईं और दुनिया कुछ नहीं कर रही, तो फिर फिलिस्तीन को मान्यता देने का मतलब क्या रह जाता है।

न्यूयॉर्क में UN महासभा के दौरान भाषण देते फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों। तस्वीर 22 सितंबर 2026 की है। न्यूयॉर्क में UN महासभा के दौरान भाषण देते फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों। तस्वीर 22 सितंबर 2026 की है।

मैक्रों ने कहा कि इजराइल के पड़ोसी देशों की संप्रभुता और सीमाओं का सम्मान नहीं करने से उसकी सुरक्षा मजबूत नहीं होगी। उनके मुताबिक, ऐसी कार्रवाइयां आगे चलकर इजराइल की सुरक्षा को ही कमजोर कर सकती हैं। फ्रांस ने पिछले एक साल में वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों को लेकर अपना रुख सख्त किया है। फ्रांस ने कुछ प्रतिबंध लगाए हैं और वहां की बस्तियों से आने वाले सामान पर रोक लगाने की प्रक्रिया भी शुरू की है।

व्हाइट हाउस ने ट्रम्प का बचाव किया

मैक्रों के बयान के बाद व्हाइट हाउस ने ट्रम्प का बचाव किया। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ऐना कैली ने कहा कि ट्रम्प ने इजराइल और हमास के बीच युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि सभी जीवित बंधकों को रिहा कराया गया और मारे गए बंधकों के शव भी उनके परिवारों तक पहुंचाए गए। उनके मुताबिक, ट्रम्प अब गाजा में अपनी 20 सूत्री शांति योजना को आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस ने कहा कि कई लोग सिर्फ बयान दे रहे हैं, जबकि ट्रम्प इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं।

हमलावर ने घर में घुसकर 11 लोगों को उतारा मौत के घाट

दक्षिण अफ्रीका में अंधाधुंध फायरिंग

केप टाउन, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी बंदरगाह शहर डरबन से एक बेहद भयावह और झकझोर देने वाली खबर सामने आ रही है। यहां डरबन के एक टाउनशिप में स्थित घर में कुछ हथियारबंद हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर 11 लोगों की निर्मम हत्या कर दी, जबकि इस खूनी हमले में 3 लोग किसी तरह अपनी जान बचाने में कामयाब रहे।

बता दें कि यह दर्दनाक वारदात डरबन के दक्षिण में स्थित क्वामाखुथा टाउनशिप के एक घर में हुई। यह घटना मंगलवार देर रात करीब 11:00 बजे से ठीक पहले की है, जब कुछ लोग एक घर में इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान अचानक हथियार-रबंद हमलावर वहां घुस आए और ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। क्वाजुलू-नेताल प्रांत के प्रीमियर थामसंखा न्तुली ने बताया कि मारे गए लोगों में एक गर्भवती महिला भी शामिल है। वहीं स्थानीय मीडिया के अनुसार, हमलावरों की क्रूरता यहीं नहीं रुकी। हमलावरों ने घर में मौजूद सभी लोगों को जबरन एक कमरे में बंद किया और फिर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उन्होंने पीड़ितों में से एक की कार को भी आग के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार इस भयावह हमले में तीन लोग किसी तरह जीवित बचने में सफल रहे, जिनका इलाज चल रहा है। वहीं कार्यवाहक पुलिस प्रमुख पुलेंग डिम्पने ने अपराधियों को पकड़ने के लिए 72 घंटे का विशेष अभियान शुरू किया है।

महासभा : आज यूएन में भाषण देंगे, न्यूयॉर्क में कहीं आने-जाने के लिए इजाजत लेनी होगी

जंग के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति अमेरिका पहुंचे

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान मंगलवार देर रात (भारतीय समयानुसार) न्यूयॉर्क पहुंच गए। वे 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देंगे। जिस अमेरिका से ईरान की जंग चल रही है, उसी ने पजशकियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची को UN की बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी है।

पजशकियान और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प एक ही शहर में होंगे, लेकिन फिलहाल दोनों की बैठक तय नहीं है। ट्रम्प ने पजशकियान से मिलने की इच्छा जताई है। लेकिन ईरानी पक्ष ने कहा है कि दोनों नेताओं की कोई बैठक तय नहीं है।

ईरान के नेताओं के UN भाषणों का इतिहास कई बड़े विवादों से जुड़ा रहा है। कभी अमेरिकी डेलिगेशन भाषण के दौरान सदन से बाहर चला गया, कभी एक प्रदर्शनकारी मंच तक पहुंच गया और कभी कई देशों के प्रतिनिधियों ने एक साथ वॉकआउट किया। पजशकियान अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और ईरान पर दबाव को किस तरह पेश करते हैं, यह अहम होगा। खासकर यह कि युद्ध रोकने के लिए ईरान की क्या शर्तें हैं।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में शामिल होने के लिए मंगलवार को अमेरिका पहुंचे।

ईरानी डेलीगेशन के पास अमेरिका के साथ कूटनीति फिर शुरू करने का अधिकार है। इसलिए पजशकियान के भाषण से यह संकेत मिल सकता है कि ईरान आगे की बातचीत के लिए किन शर्तों पर तैयार है।

दोनों नेताओं की बैठक तय नहीं है। ऐसे में पजशकियान अपने भाषण में सीधे या परोक्ष रूप से ट्रम्प और अमेरिकी प्रशासन को क्या संदेश देते हैं, इस पर भी नजर रहेगी।

ईरानी राष्ट्रपति पजशकियान न्यूयॉर्क में गिरफ्तार नहीं हो पाएंगे। इसकी दो बड़ी वजहें हैं।

किसी देश के मौजूदा राष्ट्रपति को दूसरे देश में जाकर सीधे गिरफ्तार करना आसान नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत मौजूदा राष्ट्राध्यक्षों को खास कानूनी सुरक्षा मिलती है।

होर्मुज को लेकर क्या मैसेज देंगे?

ईरान पहले ही कह चुका है कि अमेरिकी सैन्य दबाव और बंदरगाहों की नाकाबंदी कम होने पर वह 7 दिन में होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। इसलिए भाषण में इस मुद्दे पर कोई नया संकेत महत्वपूर्ण होगा।

देश की अर्थव्यवस्था मजबूत पर ईएमआई बढ़ सकती है

आरबीआई ब्याज दर 0.25% बढ़ा सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 6.4% से बढ़ाकर 6.9% कर दिया है। फिच का कहना है कि अप्रैल-जून तिमाही में GDP 7.8% की रफ्तार से बढ़ी थी। यह दिखाता है कि भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत है।

हालांकि, फिच का अनुमान है कि आने वाले महीनों में कम बारिश और खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ सकती है। इस महंगाई पर को कंट्रोल में लाने के लिए रिजर्व बैंक आने वाले अक्टूबर महीने में ब्याज दरों को 0.25% तक बढ़ा सकता है। अगर आरबीआई ब्याज दरें बढ़ाता है, तो बैंकों से मिलने वाले होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन महंगे हो जाएंगे और आपकी महीने की EMI थोड़ी बढ़ सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और विदेश से सामान खरीदने-बेचने में आ रही रुकावटों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत रही है। इस साल अप्रैल से जून की पहली तिमाही में देश की विकास दर 7.8% रही, जो यह साबित करती है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि, फिच का यह भी मानना है कि इस साल के बाकी बचे महीनों में कामकाज की रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है। फिच की रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ती कीमतों और सामान की किल्लत को देखते हुए RBI अक्टूबर 2026 की बैठक में ब्याज दरों में 0.25% की बढ़ोतरी कर सकता है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676